विरभः श्रीपरमेश्वरप्रश्नो देव्युवाच ॥ किंमूलं देवमयथावेद
यम्भलमधूवमा ॥ किंकेंदमंमेवे—भा रद्धरविठगमः ॥ प्र
ड्डपिरविदउभेअंमयः परमेश्वर ॥ किंकूपंडडूंउंदेवमहागमि
कलंध्रुकमा ॥ किंवारवद्भुठेघेरठेरवेठेगवद्ई ॥ किंमिरठे
मठिड्दंव किंवमहिइयद्धकमा ॥ रघचिद्गुभयंवपिकिंमद्भु
वरिरेपिकः ॥ मद्दुङठमरमङ्कव किंवमहिश्रुपकमा ॥ पर
पराः भकलभपायाश्वविचरः ॥ परायायापदिह्मूद्रवे

वि·
ठे·
०२३

क्षिद्रष्टे॥ नदिवरूविठेदे नदेदठेदे नवठवेज॥ पस्त्वं निष्कुलके
भकलद्वेनडद्भवेज॥ ष्मधंद्रुदनेनवविःनेधक्षिद्विभंमयभ॥
मीठैनवडदम॥ भपुभापुद्दय पक्षुंडतुभ नमिठंष्पिये॥ क्रुदनी
यडभंठरेडघपिकवयमिड॥ यक्षिद्विक्रुकलेद्रुठेगवमुष्की
त्रिडभा॥ डटमरडयदे विविक्षुयेमरुरूलवड॥ भघमुपेप
भयेवगद्भुवनगरद्भभम॥ ष्टनरंशक्रुतरद्रुीरं क्षियद्भुवविक्षु
भा॥ केकलेवक्षिडपेभविकन्द निदड्ढपभा॥ डद्भुडेनवद्भुमे

मद्धनमिद्रुठेगव॥ नघमपिद्विमिनदेवेनयमश्रिडयद्रु॥ नं
यविद्धुभयेवापिनयद्भुवनिरेपिकः॥ नयद्रुभभंठिवेनयमश्रि
मुद्धुपकः॥ मुरद्धुभडींनदिमडनलविठीपिकः॥ भद्धुमंमक
वद्धुवंरुकद्भुभमद्भुडभा॥ दिक्कुलकलनडीडडमेडमविम
विन्नी॥ ष्टुपदेद्धुभमद्दभनकष्टपभभडः॥ मुद्रुःमुवठवन
द्वविकलेद्धुरुगिमन॥ घवभूठविडकनठेनवीठेववुद्भःने॥ड
स्रुवभुद्रुडक्षुयेविभलेविसुपनभा॥ मवंविठपनेडद्भुकमुद्दः

वि
ठे
०२२

कष्टुडष्टुति ॥ प्रवंदिष्टस्थैरवभूय यवभूपरिगीयते ॥ भपरपरष्टुपे
पर देवी स्वकीतुि ॥ मत्रिमत्रिमडेवध्रुघठेनमचवभिक्षु ॥ पु
डभुष्टुमणद्विवद्दतमत्रिः पगद्व्वः ॥ नवकेमदिकमत्रिचुहिगिक्षति
ठष्टुडे ॥ केवलेष्ठवभपुयंसरभुंयंस्वेमने ॥ मष्टुवभूरविधुभूतिवि
ठगेनठवन ॥ डमभोमिवकुपीभृ षुवीभापमिदेष्टुडे ॥ यथपुनेके
नपीपभूकिरोत्सष्टुभूष्टुभूम ॥ ष्टुपडेदिष्टिठगादिडष्टुष्टु मिवः
त्रिपे ॥ श्रीदेष्टुवम ॥ देवदेवहिस्कुनष्ककपलनडष्टुप ॥ दि

गेमकलमुष्टुष्टुपदेमविवलिड ॥ पवभुठरिडकरठेवव
भूपलहडे ॥ केनपपेष्टुपंडभूपदेवीकवंठवडा ॥ यवभष्टुगदे
वेद्विडवभेष्ठुदिठेरव ॥ श्रीहैरवडवम ॥ डिष्ठवुरष्टुरो
लीवेंविभनष्टुपरेष्टुरेडा ॥ डष्टुत्रिद्विडपभुरेठवष्टुविडभि
डिः ॥ ० ॥ भष्टुडेतुडुदिवापिविपष्टुष्टु विवष्टुनडा ॥ ठेरष्टुठेरवथे
कुठेगत्रिष्टुष्टुडेवपः ॥ ७ ॥ नष्टुपेविमेष्ठुत्रिमनष्टु पविकमि
के ॥ त्रिविकलडपभरेडपठेवष्टुपड ॥ ७ ॥ कुभ्धिगमिडव

वि·
के·
०२४

पिप्रतिउपयन्तिवेड ॥ उत्पत्ते मनुष्य भर्ये मद्भुमनुः प्रकमडे ॥ २
श्रुतलाक्षिरन्तभ मधुद्भुद्भुउगद्धिकमा ॥ पितृयेडं त्रिपद्धुमा
र्थ्यौठेवडेत्पय ॥ ४ ॥ उदृमृद्धौउनिद्भुमं प्रडिमयं रुमद्भुममा ॥ कद्वंभ
श्चिद्वपंयवडवयत्तुभदेत्यः ॥ ६ ॥ रुमद्भुत्पमकंमधुद्भुत्पमाकु
ठेत्पिउमा ॥ भुतमधुत्पगम्पिद्द मद्भुमद्भुउडत्पिवः ॥ ७ ॥ उपपुदमु
श्रुवतुंठद्भुद्द उपमेउन ॥ विविकल्लभरः तद्भुमवद्धुमवगेद्रभः ॥
मिद्विपदेश्चिद्भुत्तेमद्भलेद्भुरपद्धिकमा ॥ दयपडेउद्भुत्तुरेवदेः

150

मेहृत्पयेठवेड ॥ ७ ॥ गंदमेवरुमेयवउद्भुउपिद्धिरुउ ॥ कुडद्धु
द्भुपेभइशुपंलीरवरुदं ॥ ०० ॥ कपालनुंमेटद्भुत्रिद्भुमेलिउ
लेयरः ॥ रुमेमरमेत्पद्भुलुद्भुयेलद्भुयकमम ॥ मदरडीमद्भुं
भ्रुरिमञ्जुद्भुठद्भुयय ॥ द्यरडुद्भुमयपद्भुउपदेवः प्रकमडे ॥ ०३
कत्तद्भुत्पगभ्रं द्भुठत्पद्भु रठवउ ॥ त्पश्रुरिद्वेरुमञ्जीरउमद्भुप
रुमश्चिद्धिः ॥ दमद्भुद्भुठमद्भुउभुद्भुत्रिडिलकतडिम ॥ विद्भुमि
लदद्भुद्भुत्पयलयद्भुरयडेलयः ॥ ०२ ॥ प्रमादडमधुकल्लुयमद्भुभ

वि॰
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ निर्विकल्प [illegible] ॥ १ ॥

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
विकल्प [illegible] निर्विकल्पे [illegible] ॥ १३ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ निर्विकल्प निर्विकल्पे निर्विकल्प [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ १४ ॥ [illegible]

वि. ठे. ७१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

विलीयमानमेतद्वेदाद्विमी—ः यत्पदे ॥ उक्तं येनैतद्विद्येत्येतद्भणं
मनस्येतद् ॥ यन्नामस्तवं पदद्वं मतेऽक्ष्वरकमतऽ ॥ तवद्धेविमद्धुमि
रूवत्तंवत्ल्लोऽ ॥ ऽनऽमदतवेनविकमद्वऽतवर ॥ मवेदेन
मयेदिलागद्म पतिवयेऽ ॥ यनापविविकल्वेनमनमानमेद्भवः र
वयद्धपद्भमद्धद्वन्तुवावदिरतुऽः ॥ येगीमनमद्विद्धानमभ्रमन
तलारभा ॥ मचलागद्धदेवंवद्भानुच्यतरिऽम्बेऽ ॥ यनामद्धुमऽने
वपरावसमयेतवेऽ ॥ उदनेरवयगेरमद्धुपवमऽला— ॥ मेमदेऽ

वि.
ते.
१२३

मदस्वयेनद्वेरकमतऽ ॥ मवमेऽविवद्धुरयल—मद्धुद्वयनानेः ॥
पिपीलमद्वेवेल यारखडपरमेभापभा ॥ वद्धविवेद्भुमतेऽद्भुपि
द्भुभावमयंडिपेऽ ॥ केवलेवधुद्वलेवभ्दावस्वैनदद्वेऽ ॥ २२ ॥ म
द्भुमद्भमनमद्धद्भमद्वेमवमावका ॥ यद्धपेद्भकऽद्भुद्धऽद्धपेद्भ
द्भमद्धेऽ ॥ वेदरामद्भुरकेतैः भ्रीभापमूठवद्भुद्भुऽः ॥ मद्भुतवपिद
वेमितवेमवचेमद्भवः ॥ द्भुरवेमदविरद्भुमद्भेववद्भुसमिगऽ ॥
द्भुरवमद्भंऽदद्भऽद्भयमुद्वरतवेऽ ॥ रागिद्भुपनदऽद्भमरमप

वि
ह
०२३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि॰
के॰
०५॰

त्रेयत्ता ॥ १० ॥ लीनेषु त्रिविधद्रव्येषु रवेः नतवचेत ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]
[illegible]

वि.
के.
७०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि.
हे.
०४३

पीद्मिवेकुवेड ॥ विरणरंभवःदद्व विकल्पवविकल्पयेड ॥ डयद्
परमाद्रुहेवेर्वभेगलेमये ॥ भवद्भुःभवकदुयद्रुपकःपरमेष्ठुः
भपवदमेवणकेडिमहुरुद्रवेष्ठिवे: ॥ भलभुवदयवेदहुलाठहु:
रुंठरवे: ॥ भमेवठेवभ्रुइविद्युठहुविठेविडः ॥ हहुहहुमवीगं
श्रिहुरिडंहुविपडरग ॥ देडमत्रिविरभेपरभद्रुयडेदम ॥
मुणेद्ववव महद्रुनत्रिडुलयेरव ॥ रडमत्रिभमेवमहोठडुठे
रवेवडः ॥ भप्रुदयमिदंदेविमठरभद्रुग्रमद्रुदमा ॥ केवडंरयडे

भहे वेइवे:भुद्रुभइवे: ॥ द्रु गढिकेभदगड्भिद्वेमितिगेदगठम ॥
ग्रविकल्पभेदभद्रदहिष्ठिझलयः भद्रुदमा ॥ ७ ॥ वइयइमनेयाडि
वहेवहेद्रुगेविव ॥ डइडइमिववभुहपकेवडुयभुडि ॥ वइयइद
भजेयेद्रुहद्रडेविके: ॥ डभुडमइठमिद्वष्ठिद्मयभ्रुगिडद्रुड ॥ द्रु
डहेडुरयेमेकेगफरेवगठभुडे ॥ डुडदलेहणहुडेश्फभइभथी
दम ॥ वभुधुभदभपुमद्रुदेमेभवभुलेड ॥ भुमगीगंविरणं
दद्व रभरडिरद्रुः ॥ द्रु मिद्रुभुविविदभुमनेदाद्विंविवडयेग ॥ डद्रु

वि । ने । ०४७

वि
हे
०५२

य॥ [illegible]ः मे इस्नुवं स्ये भनु सु [illegible] स्टं गुरुः॥ इन्दे दि नि सुल व हि ति
रकर नि र भू य॥ च हु ष्ट नं म गी [illegible] दि भा प द भु मि कु ल्द र॥ पु र वे
भ न प च हु द भ डिः द्वि य इ भु ष्ठ॥ नि वि कु ल्द प रे ष्टे प्रि भ पु र कु
म र त्नु य ः॥ प इ के क्ष भ यु ड्ढे यु ये द्ह हे ड दि रा द्धि र भ॥ क्ष रि ड क्ष ड भ
इ स्नु ति गृ हु पु रु ह॥ भ द स्क द्र न पु व क्षि ह्र ड द वि ध पा दि क भ॥ ॐ प
ड भ र भ भ वं भ दे भ स्त्रे ड र भू य॥ य गे ड प र भे म नि ड धि र र चु ल हु
क [illegible] ह्रु व प प वं इ [illegible] ह्र व भू भ च डि॥ द हु म ति भ भ वे म भु ह ड ह
द र प र॥ प च्छ घ ड भू ड हु भू क पु ल्क स्नु ड्ड डि॥ ये रे व पु रा ड द्दे भ हुं ड

वि·
के·
०५५

द प र प रः॥ य ह्रे व पु ल क भ वः भ प वै क द्रु पु ल न भ॥ इ ले द्रु भि
वि मे ह्री व ड स्नु य तु ति ल न डिः॥ मी दु ड्ड भ भ द दे वी प क डे ड्डे प र
प र॥ प्रु भू भ त्र प वं ति भु भ द र द्धु भ पे स वे॥ ड प दे ष्ट भ भ वि भुः प र हे
र व भ पु प डा॥ ध ह्र ड वि दि व र इ भ द भ ष्टे क्रु विं म डिः॥ ल प दे ष्टः
भ भ द्धि भुः [illegible] भू ड भ द द्रु ठः॥ ड ह्रे ड स्नु वि ड दे वि पु र भ भ ड भ्र भ
भ॥ ल ड स्नु दु व क भु पि र क स्नु ड क द्द भ र॥ प र मि ष्टे प ले द्रु रे भु ठ
ड्डे गु रु भ द य ः॥ नि वि क ल्द भ डी नं द्रु वी र [illegible] भू ड ड्डु न भ॥ ठ ड्डु
सं गु रु द व न भू द ड्ड हे नि वि म ह्र य॥ [illegible] भे र हा [illegible] द मः [illegible] ह रु ल ड्डु ष्टे

वि॰
कें॰
०२०

कभा ॥ भचभेङ्घरिहूइ गङ्गभेङञ्चीगंडले ॥ किभेठिगभिुरेडे
विभ्रिुरंपगभिटंठनभा ॥ भाण्ड ग्रुभिरण्डङह्नु नुटेयेभकभभटड
भा ॥ भी दे हूदं म ॥ टेवटेवभदटेवपरिङ्गु भ्दिमञ्कुठ नूप
भलउङ्घभ्रृभारभद्गुवणरिङभा ॥ भचभट्टिरठङारं हृदपंरुडभ
भृप ॥ ङहूहुरद्धिङटेवीकटेलप्राभिवभ्रुङ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ भभाभुम्र पंविल्लुरठेरवः ॥

ठिभ्रीगाण्डछिपडयेरभः ॥ ठिरभःभिवायभेभाय ॥ ठि दगी
भुंगीरभभ्रूद्गगाण्डरंपङवेम्रुरभा ॥ वहेट्टिवरुनेगाङ्गेपक्लिक
ङ्गिपडेलभु ॥ ः ॥ ठिभहृलभ्रुरभेङ्गक्रुठवङेरिःभ्रेदभञ्छ्रुभुदं
भहृत्रंविलाक्री दिभद्घरिवरंरिःभ्रेद्वडरराभिभे ॥ भैवंवह्नु भि
किंवरंरनत्रलंभुव्राभयेवेह्नुडे वहेकुठिदिभाड्रिरभवभभें
उवटदरःभडुवः ॥०॥ भहृलभ्रूरंवभठगावभुंरा । भहूलंहू
लेङ्गुभुभहैःभद्धिङवरंम । भ्रुहुभुपंदिभञ्चलक्रुरेपुयभकवरे

[illegible]

व
पं
ति
७५१

[illegible]

भगदिमपल्लश्री। नमेदृमिडः नमेमनमह्मिडडिमडः। नमेदा
वट्पलविमेथ~मानिडेहुडः। श्रुकयहुकंउवाञ्झीकरय
त्रिहृः॥उ॥नेभक्तूदिडभङ्गरडवडनेवङ्ग्रष्टदभङ्किरनरीड
मिवनिदमेडुभयडड्भुभिकिंविगृदभा॥कदंडेननकिड्डि
वृ. भिमभ्मेवीरं गदेल्ने डितेदिमृभुः पडिवडुकेलिमिवयेःमृ
५. यंमिवहेउयः॥र॥भङ्कुग्रधिनरङ्गः गङ्गिमिदिरघेमुभटभुप
०२३ पिध्नरभ्वा।भङ्गिनाभंयेगेरमा।दिडःभङ्कयेयष्टः भभनूदिड

भङ्गरा।विगृदेविनेवः।वीरं पदिमुंमनादेगुदा।नेमदिङ्गुमे
चमिवे।पकमेधः।उये।मिवये॥र॥नर्डुभङ्गुहिदानेवड
नमनभुङ्डुयाकिंडप।भगुभङ्कविनीनवडनमना।कभेपलय
सिदि॥भङ्गुडुइकिभेडग्धदठवडीभृडेपलवंडूडः।मेयंभीठि
कमेडवः।प्रियडभंभुङ्डदिदभयना॥प॥वडगाडनमरा य
भृवडनमनेदिगभुरः।वडेवापमुनमनाभेपलायशृ।भेपल
याननयाधः।भेभभमापलायङ्भुयः।दमयक्रदमाङवना॥

पु
५
७४७

नभुय शुद्धभांक्तं रमायडदहृद्य दठगोकर्षं भजुसेषुगठयय
रवसम्जवैवभ्जिराडेंरुलाये ॥ भुद्धवैवलायावदेडिठवडुकभ्द
ङ्किभभडूडेवरे डूडिरातुवेगिगिकुवभुकीदडःमक्कुः॥ १॥ म
भुयाभिडङ्किरा। वभ्जिरुलाये मभुंकीकमारंरलिःभङ्किःड
मेकीकभमेयाये। भदरडूरलाये लायविधयेवभ्जिरमडल
म। देभजुरा्‌नु यमैड्गा्‌डूंलायेतुठिठवे वैवभ्जिर कङ्गभि
वैवभीठ्ठः। लायेलायाठिणवेश्डीदगिम। भडमवडयाभुठ्ठ

वडेंवदेडिमाया लाया हिणश्डीदरी वुकभ्तुदेव निदे ङकिभ
भडूडे किभडुयडे ःडिगिगिकुव भचहेवडूडु भकीदडेनिच
मःतडः ॥ ६॥ भलक्कुडयडुयाभभकवंनेडेःकला दमडुडे। भद्भ
भीक्कुकलांभडुणंभवविदंलक्कुडराभ्दियड ॥ रेकुधाविवयंभ
येदिडभिदंश्वाभिव्रुङ्कःकदूधा। दिमृगदिभडरडाङ्किविलि
डःभ्कुलीभवःभम्दभ्दः॥ ७॥ भारभिडु। भलक्कुडयङ्कुधावे।
लड्कुयांमरवाम्भदरडयाभडुयाङ्कधाभलेक्कःवरडेडङ्गु।

व.५
१९.

ङुमिग्रुडभम्ना न्म्रदिङनक्रुध डद्विधयम्न ॥२॥ कंधमभ्दडिम
छुम्ले डिविनडभङ्गेधवङ्गुङ्लि नै व दंविनङतिगगभभंनेरप्र
मिकिंवङ्कलिभा ॥ भङ्गुनेङ्गुमियंभङ्गुणभियंङ्गुभगुङङ्गुङ्गुवभ्रु
ङ्गुमेत्रक्वर्ड विनिल्किङडङ्गुह्मकः मिवयय भुवः ॥३॥ विनडेरङ्कौ
यि विनङगनङ्कभडमङभूखुभङ्गु ल्देविनडे भङ्गुङङ्गभङ्गु
देभङ्ग्रु नेडिविषेणे भयनेङ्गुमियं वङ्गेङ्गु डभगुनेङिङ्गुडीय भ
ङ्गुवभुङ्गेन ॥३॥ ङ्गीपिङ्गङडवेमधवनिरभेङ्गुडप्लर निचडिदेभ

नघयिटेकवंभठवडङ्गीपीडिनवैधिडिभा ॥ भूङ्गवभ्गुलाद
ङवधिङ्कंकंदंययेभीडिविङ्गिमृमङ्गुलभङ्गिरङ्गडगमिं मेदेः
भङ्गविविङ्गिङः ॥४॥ ङ्गीपिनीवङ्गीगङ्ग भेङभ्रुङ्गेङ्गीपवङीङ्गभनः व
ङ्गेङ्गुङ गङ्गणवङिङ्गुपगाडङ्गुयेयङ्गभङ्गीपीभुव ङ्गीपीमङ्गु
लङ्ग मङ्गुलङ्गीपिनविङ्गभनः विचडिभापंनवैविनङवामि न
वभडरिङ पविघुगस्कुमि पघनवनेमिङ्गुगस्कुमि मङ्गिल
यभवङ्ग मङगमिनवङ्गेङ्गु लिङः भेनः भदभः ॥४॥ ङ्गुङेभं

वं
पं
०७

ददौ मुकुमी डि विविलि डिगे दवड डुदः ॥ ०७ ॥ भणछ ङ्केभेष्ठितीम
नभडि स्वचेडे पवइदेमान भडिवध्रदः मान भडीरभाङ्गदः
भडभाषुभणाभिवेड्डि वरे डेड भङ्गुभवणप दभिरठवभिवडुं
भङ्गुभवणरैवभ्रियम्निहुं णमुभि डडिगेदविलिङः ॥ ०७ ॥
डधुगेरवम लिरी दुणठिकंड्ज्ञ डि भेषचम्न नेधुदमणगेः कु
मणिदवमनैवलिरीमजुमिड ॥ वड्रेडेडवमधु भडेडुमलडभु
मडवङुइकिं मेइवेन्डणवजुनिलिडडडिहृदः हिन्दि उङ्गिधः ॥

नेदवेमालिनीवजुभनभुग्भिती ॥ भवइ गेः भवम मलिरीम
मलिरीइभगी डुमलडकेमलंडुमयंमलडवङ्गी मदुणवडे
नवडेडु विलिडः हिन्दि डुदपवडु ॥ ०७ ॥ नेमीहभिभदभर
दभपुरभुडे श्वीनिदः मङ्हेदेविदरोभि नैवडुभरची ग्रदन
धुभिभ ॥ केरगाभिडवेमुमं भिवनिभेरभुवरगाभिकेः भव
डेडिदेडेवेदरडवः भड़ु विकुः कल्भधभा ॥ ०२ ॥ मपुरभर
मभुनभदनेमीइभिडडिभावी रडि भवइडिः मइदेमभद

१०७

ष्टे ऽह दि । खवी – ऊमनः । खन्द पुवी – मुद्र कः । मिव । ऽ पुरपनं । ऽ
न प्र कादिकाविडे । गच्छ इ ऋ यं वामि । वहे ऊँ ऽ । के मिगमिरगादि न
गः भद मुग्धिद मृ ऽऽ । नगा द्रिमेन । मभ्रुव । कैः मम्हे ॥ १०२ ॥ नमे क्रू म्हि
पऽ इ भानम पुरं भुवान मेडंऽवद्धुं । नेवपऽ इ िं । शियुऽमेभज्ञे
भिभुवत्नु पिऽ ॥ नवेऽ ड्डिगलद्धू पगमद्के ह्यि द्धिरिय नेभु । नद्
भ्धिनलडीऽविवद्भद्धिऽन्धेद्वाविकेः पऽुवः ॥ १०४ ॥ पऽ इ भानपऽत्री
इभानगड्डय भ्दऽवदस्रृ । पऽइ िं पद्रि ं भानंपदुनेम । न

अतिसुय मृदमेऽ ड्डुरिछ्ठि गेविगलह्र पगंमुलङ्घ्नंडेद्धीडि पाचड्
ज्ञि । भनर्ंडेवनभ पगानद्वीगङ्ग । वहेऊँ ऽ भ । गय । दलदमु ।
पगानद्वीभनापगा ॥ १०५ ॥ ऽ स्रैः किंनयम भृष कदडेकेम गृद्वे
मिरि भगुेनइनुः कमगृदऽ पादमेुरमेऽु इ विऽ ॥ मेमेवम्रिमं
इयाविरदिऽः मेमेभ्रिनेह त्रुव भाच्छदीडिदडेनभगाकृवेऊव
दः पऽुवः ॥ १०६ ॥ ऽ स्रु विङ्ग दिपाचड्डुज्ञिः । ऽ ध कदडे ऽ पन
डिकनडीइ धकसुब्ध्रः । ऊनदडेकेमगृदे ऽ स्रैदनऽमिरः किंयप

व. पं.
७२

मिउह्वपदमः वहेहें उधय ह्वर — म्दिउः करेदम्भः देम मे
भेव। पुवरे हे उ मे भभम भदिंडम। ह्वय विगदिडे विधहे दमेवभेभः
भदिभय वहुडे येभे भेभः भेभेर भ्दीहत्व भहूवीः ह्वय पंह्रा वभे
भेभ्दीडि मणे डिभ वभ्द्दहः ॥ ७१ ॥ ल्पेडुंर घवव हह्व वदिडयम
हेगिरं ह्वभय ५ह्र ग. भडवहहुः कषयकेयह दिडह्वंडव ॥ किंडह्व
दिडह्वभइदधिडे रगेम्वुरः ७म्हुडं भिहहदु ण्लिेहि निलिडदिमें
ह्रहद्भुडवः मिवः ॥ ७२ ॥ वहहवदिडय वहहुडंय वहेउ ववदिडय

भेवण्वयभय वहुंले ङुंमहः ॥ ५वइ नवक्वुडं नवेयह्ले म्हदिडय
विपदहुडय पदिडहुं म्दिडम्भृठवः पदिडह्वं पदीरभह —
डह्वभदिडहुं महं दिडह्वमिहम् दिडहुगेहह्र हवपठवेपिरमे
षः दलः ५रम्द्रेकमृहह्र हडगह्वपेचव यभकमिह्वरेहुम्हि विभे
धठवम्भूम्दडेः यघ मुलेमुलेमरमे म्भिमडीहदे मुलेमुलेडि
यभकेभडिमलेमुल पुल्पहेङ मुमः लेमभूमरमं मुलेमरमृदि
मडीहहः भम्हुडे ॥ यमहें ॥ यभकलेवपिहुप्म्हेधुवरकायेः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

व. ५.
२११

ग्रभिद्यठिदिद्वैमेद्दर्रः पञ्चुवः ॥०७॥ उद्देर्मु भञ्जु ं देवमीडिकु
कुदेमवडग्निदूकम्बविरजकांपेद्धिनी । मनाद्दर्दरेकग्निदमनाम
घनारदंमञ्जूवांमिमम्भू ज्ञित्रुयमिंमम्रुम्नुमम्नुगञ्जुः । रडडञ्ज
दिलवंदञुडिपेद्वेवरेङ्गेउदञ्ज मृदमा ॥०७॥ अंमञ्जेवफलक
पएनविणिंकिंमेमम्रुमनेशरपदूत्रेनमयरफविन्यिड्ेलक
न्डेकुञ्जुमिड ॥ भुञ्जूउङ्क्रुपल्लुडकव्यपकिं भल्लेनड्र्ंठवेविद्र
श्रीन्द्रमड्गिनमामिकलमेनिञ्जुपन्दउवः ॥७॥ वफलकप

न्नविणिवम्रुनाकपयंकञ्जुपकनिमापंपुगन्नविणिञ्जमेन । म
पकरवञ्जूलकण्मनञ्जुरंपण्नेठेद्धे । लहें लहं मरहे मे
ञ्जुमरःकडभक्नुमिदिरुःविदिठभञ्जुम्र ॥७॥ विञ्जवउलप
भुङीवठपद्धंकञ्जुलमलुनिममेकद्विरागञ्जुपिरिपड्मे
कलशूपञ्जिःञ्जुडः ॥ कञ्जुलेमिडमेडम्डइवमनकञ्जेःकिमाले
मिडंपायाद्धिहवमाःकडेञ्जुकलिकेञ्जुमेरकलीमगाड ॥७०
कञ्जुलमलंमुञ्जुमवमगीरञ्जिमालं । मञ्जुगीमञ्जिकञ्जुल

170
P. V. 560

पु ५
०८१

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥३०॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥३१॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥३२॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥३३॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वं ५
७७

इं किंडत्र देव [illegible] श्रु प ड य ड व मु ड किं [illegible] मि ड त्रु ड
रमृ पू प ड ह स्त्रि भे ॥ न व ष्ट मु भ मी डि भ ट आ वि ड न व [illegible] नै
म्नि कि इ भी वु डि वि कु ड गं गि रि कु वं उ च फ्ल ग द्रु भ्रु कः ॥ उ ॥ भ्रु
प डे घे ण नं । उ घे भ्रु प ड भु र प ढ्वे भ न व ष्ट ः नै ल हः र वु र ग र
म उ ष्ट ः रष्टु ः ॥ उ ॥ म्न त्रि मु सि पि रा वि ठ डि भ ल्लि ड म्न त्रु र र त्रै
ज मि त्रु रै त्रि रु व डे वि ड त्रु प वि ड भ ह भ भ त्रु ग ड ः ॥ न द्र फ्ल वि
ठि व ष्ट प र व पु घ ः किं म न्न म त्रु र्व वि ठि भ प्ल भी डि द्व ड ड गं वि व प डी

मष्टुं मिवे [illegible] रः ॥ ७१ ॥ मि पी वा कि न [illegible] म ह कं वि
उ मि ड प वि ड । भु प र त्रु भु ति ड त्रु र ड डः ल त्रु त्रि घ भु ड भं भ तु
[illegible] दे भ ल ह व भ न व रे त्रि ठ व ड प वि ड ड डि । व प र व पु ः प
ग दि ड भु दे द भु भ व त्रु दे द भ्रे डि घ व ड । व प ग ड भे व ः म ढ घे
दे ड प र व प श्रु री डि घ भु ष्ट प र व प ः ॥ ७१ ॥ डे नै व त्रि मे
म भं न फ्ल प व व मृ य ड डे ड व ष्ट मु री डि न त्रु भं रि घ ड भे व मृ थ
री डि ः त्रु ड ः । भै वं फ्ल दि वि ग त्रु डे इ न नि म डे घे नि म डः भ कः मं

पु
५
११

[illegible]दूमिडिक॥ [illegible] ३ कूदः मिवेवः ह्रियकू॥ २ ॥ [illegible]यडःव
मगाः [illegible] ड३के हकूं व ५ म्रे पे भ्रमहू यडे [illegible] ३ ॥ श्री
डिः ३ूडः निमाडं यंगा इमाले पवंपनिमडभ्रीकू ॥ ३५ ॥ नमूर्दू
पम्ववछिडंनादिमयकुडेननपीयडेरेवंद पम्ववः दूमेमशिमि
डःमहेविणडूडय ॥ किंवमिइविवहपदम्पयिडेकुव[illegible]
भूपडेभुकू निलिडमैलगम्भडडहडकूगडूलतिः ॥ ३७ ॥
पम्वछिडंगमिडंपम्वंपमदंमिडंमभ्रूडंमापमिडंवह

ठभंवम्रु॥ डि नभू यडेभवामिइभुं [illegible] ३९ ॥ पुहुनेम्मिभृठ
भकम्मकिवकुम्रिनाकिंपक्रुडेमहंदेविभभ्रम्रिवमिदिपरेकु
ड्रिभुडेदम्रिड ॥ केनगामिडवइकुडिरवनेवुद्रिःम्रिडपामठ
ग्रिश्रिमूनिलिडपचडीकडडिवःभुडूप्रियंमकूः ॥ ३ ॥ पुहु
नेलिभ्दणः दूडूःभूमिमगिकेविम्मिपीपविवलिडेइमरः
॥ पुम्रिनडूनेमिडमू कम्भकेहडिविमेपःभदठम्भनवडुडे
पःभभठम्भकः कूडिहम्भकुवम्रुपमू डूडिरवनंकुडिः ॥ ३ ॥

वं
पं
७०

नीरदे ठवर्डेडिवह्रवत्मभास्वद्दं पुवीन्दिडुरं कडेमद्रा रिनीतड
ननरड भचानिलेदेवडे ॥ नमहेङ्कि निधं कुडेद भणडे दन्म हि
णनगमिभन्ञीडप्प महिस्भवमं कुचन्दिनाकी डिवः ॥७०॥
नीडङ्कि विधभुमनेहयंनेडि निधेणे, डडुङ्गइ दीनऊनयभ्रं मे
चनिलेकौ दण्डभ्रउभ्र नीनडनमभ्रहडे नमहभूड
भेडिडनमहेङि: नमहेमाश्विरो ॥७०॥ मुडेम्भि विलिडेभुय
नडठवतङ्गवं भजडु दूवं केदभ्र ढुषयाम लेभमभिड मेलेन

वेङ्मीडि किमा ॥ स्टन्येकिमिवन्धि मं भमधिडे ठिक्कं कपाले:
प्रभुडेह्र हिलाप लिडेन्दवमा भुभीपुदः महूः ॥७१॥
पूर्वेनिमुडे पूर्वपनद डठन नामघ लिडडडेडुनामयडि: डि
कमकः नवेङ्कि नत्मनाभि नवेतडनेमा ङ्मिठदयमि प्रमठ
द्रुल्ले मह्निठदघ मिठिर्क कपाले भ्रेडिपा वइङि: ॥७२॥
भन्नगानदि डडनेडिठवडठीडि भमेघडतह्रुग्रं भञ्चमिभद्रुकिं
ठवडि मेयम्भेदिडेथडतः ॥ मिनुडेदवनेन्द्र निरिवडमे किं:

वृ
५
०१३

त्रितुय भूत्त्वग्रः श्रीहृदिभ ङवालयत्नेवत्रुवः भूङ्गीमीनेविमभा॥ ३
३॥ भत्रवावादिडेडि भङ्कियौः मुगदिङ भत्र गगदिङ॥ मत्रेठये
मुगारेगदे दिङमुनङ्कुल, नवेम्दति, नविभ्रूणवेम्दविणदे न
वेतुङनेम्पम्दवि ङपलेम॥ ३३॥ मुभभत्रभ ओमिरप्रविरङगङ्
वदिदेवतेवेधाणत्रुविठत्रु भगभिडिकिं स्वभित्र हत्रिकभ॥
भूदहभूकिभत्रिकेनकिडवङ्कुडेनडे भाम्दुडं भम्देगिरिमभूतः
तुतिलयवालक्ठवत्रुलिङः॥ ३२॥ मुभभार्गभ भभां मुभृडे

रमगतुहुमंठङः भगभङ्कुंठङः मपं मशत्रिकं हत्रिगदिङंविः
भेदवं मङ्भृत्रिकिंमभीपंम॥ ३२॥ नक्तीङभदभ्रम्ह्येदेहठवङम
वंपयिणत्रुवमभुवःकडवाहतङनभपूमडेनलनभूदमा॥ नह
कंकमवचेक्किमहठवडहक्केनभक्केनवगोदङमडिभिडिमङगगिर
॥ मभूलडःपडवः॥ ३४॥ नक्तीङभिडि नडिनिवेणक्तीडपेलं न
त्रभकगविङुत्रुयम्भनक्तीमभदुःङमृगंङमुडिःनक्तीङम
नवः भुवः ङडनमृमडेमग, मग मडनमडेमगडनेमिरतुत्र

उक्तमाहः । भवियं [illegible] देषलेकिकीव नेषद्धिः ॥ न्वदेह्नेकभाक्केन
डि नहूदृत्कुंडु डि । त्रुंजउ र भक्के न्दुक ष्वयेड, उकुरे, नेडि तिवेपेवि
गडेक्केषभूमेहृक्कः ॥ ३१ ॥ पथ भगनम्हूड ठिनड डंन्वड न
भेकन्दिभूकनुकहूरुवंवीविभभकिंभङ्गुरूडनीपुषीभ ॥
वः
क्षीनन्वडेदेमिडभुवगन्त्रुडेःभदस्री रुडेपदवीलगलेवड
पं॰
दिडिगिनगेदन्डवहुवः ॥ ३ ॥ भागनभङ्गडेडि भागनेन्भ
१३
भङ्गेन्भङ्गड षड्गङ्गङ्ग, उकुरेडु भडडिमचनमपयंगरदेवं

उन्दनमेहुडेडि भनदहुडेन्वि वेन्झुडेउयसङ्गह्विवेनन्य ।
भ्ङ्गुडेडुहविवंह्रुडन्यानभूमह्वविमेयः ॥ ३७ ॥ नन्नडंभङ्गगडी
दकिंनम गिडेविञ्चवि वेन्दीवडेभङ्गस्त्रिवृगडिवभेहनमिडःक
त्रिव्रिदन्त्वामिड ॥ नेभुंडेलिनभङ्गमेकुषडडःभावंम्नमन्न
य भदंवेयदङ्गमिडिङ्गिवनःभुङ्गनायन्दवडीभा ॥ ३१ ॥ भ
ङ्गगडीडि भडमेठनंनागडिक्कवेनेउकुरेडुभङ्गभवण नगाडि
दभङडाभङ्गगाडिविञ्चकाभभनुडविदनेविदन्ंवङ्गवेम्म

पुः
पं
७१२

वहु संप्यविर्द्द भुिंहभरः ॥ ३० ॥ भङ्कुत्तुवनिभेङ्पवनडप उतं
भ्भिङगङ्गपपङ्क्षीरभुवडकठवेढवनडक भ्भिङ्गपेङ्गूडभ ॥
भङ्कुल्विभङनभेठवडिडे पड्डिङ्गिपेवपिप उतं भुप्भिङिवि
विनिल्लिङसिवमचपटभेभङ्क्लिङ ॥ ३५ ॥ मङपवनडप
मङभुवनिपवनडप पविङङ्गन। पवङङ्गपपनङ्गपमवन
डडप। भङ्कुलङ्गवङ्गङ्गुङ भङ्कुमपड्डिङ्गिप ॥ ३६ ॥
भुवतंदर्मभ्भिङ किलदलमेन्नी विङभुपङे मङ्गङ्कुःकडव

इलमूलडडेवदंविडभुरडिः ॥ किंरङ्कु मूपनेडङ्गङ्गुमनंकु
भमूपेङ्क्षिंवसे दिम्रुम्रुः भिडिकङ्गु उङ्गगङ्गुविभ्दभ्रिङ्गुरेङ्गिः रि
घभ ॥ ३७ ॥ दलभङ्गिसीरम विडभुरविडडनडेव मप
रङविडभुपमङ्कुरडिदभूडभूमङ्गुल्लि विडभुपडे। नसीमुम
वेपभूडनङ्कुमपप। मपङ्गनिपेण मुरेम पेपभूमङ्कुमपः
॥ ३७ ॥ गङ्गेमनवुप मिनेगुल्लि पडःङ्गुचङ्गिकिल दलंरेलभु
मङ्गभुनरमरविणभङ्गः भूरेडेकपभो ॥ ङ्कुपङ्कः पिनमनव

व·
पं·
०७५

ञ्नन्भाद॰ मेभह्रभिपश्चूडभहूभाश्विडिनिह्रभमुक्तमलायेभं
लायद्वेविडुः ॥ ९ ॥ मनववंनमिनरडडि मनववंभङ्ग्यज्ञभवयड्डीडि
मनववंमिनःपाइमभरुपकडूलेभुञ्जभमनववंनायल
थडभडू ॥ ९ ॥ किदिभूमदिडतुकभुमपाः भहूंभमैवदिनडतू
वीहू मिरिठेवेमठिभडः किंभुत्वमङ्कीम्रियः ॥ वडेंतौतमलेठव
निडितुमेलेठेभिकभेडिवैवड्डतूठवडठवमिडठवनीकिठव
यभुवः ॥ २० ॥ मदिडवभतुकेभडूगदिडतुकः मपाइमदि

डतुंपिरंकंभिरि दिभूभूदिडतुकः । ाडदेवंदिमूद । भहूभेडड । म
दिनडतुंभद्येवमिरंवीहू मङ्गी विङ्कुः म्रियः ल्तू ॥ घदिभडः रियः
किंरभृडघपिडभूद्येव । भडूद्विरभृदिभेनणाडडडियडडेल
तू मठिभडविश्रुत्तडडइडः ॥ तुमलेठवद्विय ॥ भृतुमेथुमदे
भुमलेठेविडूडेयभू ॥ २० ॥ मजदंठयुडवगदूडडंभेडः क
वेवभयमनदंभूपभद्विगादनविणवभायवद्भूदभा ॥
रलीकभूयभेडमदूवमरंवाभूयंकिंवमः भूदिहभुठवत्रि

व. ५. ७१

देक्रि३नम्सं भुक्लापत्रुविक्रुः ॥ २७ ॥ मःपेवगाद्३३डिक्ष्नदंम
देमक्ष्नाहिण रा भयकथंवड३ह्मेडः थवगाद्र्रु३डडिवभ
भ्रीवभयभ्रियाम व भ तु ल्लिम ॥ गलीकनृयं भलीकनृएभं
दडभुरंवभ्रह्मेडभिक्रभेडप्पिद्दडः ॥ गलीकन्नमगविमेधः ठव
स्किदेलामदेस्किडुये ॥ २७ ॥ भड्डभीस्रुगक्रुक्लागलिनमदंडेविभूग
कुतुलं कुक्लेग लिडभभूमेलभिदडेभह्रः पिडपचुडः ॥ नेत्रिभ
क्लानकमृपडवठवेक्लिंभक्लानेरइमेमेभविइलिडेदिरा[illegible]डन

पनेकक्ष्नुविवःडथभा ॥ २७ ॥ कुक्लेगलिनं कुक्लेगभूगलिनंकु
क्लेगलिनंगरामद्कुक्लेरलडदिपिदिडेभ[illegible]भेठिडंम प
डडेवद ॥ कुक्लेगलिडंमेलभभुक्रगीकुन ॥ भ्रभहुपले ॥ पनंडुदे
भह्रः डवपिडपचडगवविभिंकनत्रि ॥ भक्लानकेममलानकःपि
ड भक्लानंमभ्रनभा ॥ २७ ॥ मधुगापकुलुपक्लायाविलाघय
घडेभभेक्लवमंगीडंभक्लगिडकुडेभ्रपडेदेगेभापभृइकः ॥ क
भेडु भवभक्कवा भ्रुएभभे यःपनमेकुरगःभुक्लापक्लिडभा

180

व. पं.
३०

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] भवन्ती ॥ २२ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २३ ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २४ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २५ ॥ [illegible] । [illegible]

उङ्कल। मपमङ्गुम। भरल। मुङ्क। मय। ढेवम। नु। वङ्गुम॥ २८॥
मङ्गः। मङ्गङ्गिमेनकपिमयिङङ्गुङभमयंशुदः मङ्गङमुः मेन
कमयिङङंनकङ्गनपमूय॥ नेङ्गिडेगगनमलिनमूयवडीक
मेङ्गिगिङभुवः भुङ्गनिलिङमेलनमङ्गङवमः मीङंमुभेलिः ङ्गि
ये॥ २१॥ पङ्गमिपङ्गेवड़ेयम। मेनक डङि॥ मे। न। कु। डङिपङ्ग

व.
पं.
लि.
७१३

इयंभेमभनकपिमङ्गचरङ्गनमयिङङ्गिया। वङ्गेङ्गुङमेनकर
मङ्गरः। पङ्गनननी। पङ्गनंम पुलिनं॥ २१॥ कङ्गुमकुलमपलिङं

गिपुमभमे। ङ्गुमेविङुङ्गंनमीभुंङ्ग। भाङ्गि। डरिपङन। केनपिङ्ग
मिङ्गुङ॥ वङुङंङ्गमलकयङवगिनभुंङ्गः मल्गकङ्गवकगङ्गीम
वमभाङ्गिमिडिलायपत्रिभुंविणभीखुवः॥ २३॥ मकुलपर।
लिङं मुलेनङ्गिकुलेनपरालिङं। डङ्गङ्गङ। मुमुमीभुंङलपेन
ङ्ग। विमेवे। लिङंमेठमनंङ्गमनल। निप। कयगिनभु
भद्रं। डङ्गङ्गङ्गङयमलकयभुङ्ग। विणभीखुङ्गियङ॥ २३॥
मङ्गिमुनमगङपगदिङ मङ्गंनङङ्गीमुङमङ्गशदिङमभे

व॰ पं॰ ति॰ ०१७

[illegible]

पं.
पं.
टि.
०५.

खिडविध [illegible] ःकविवरः द२विनायपुत्रवः उकु दुवीं उम
लः भूग ॥ [illegible] ॥ भूतगरच्चवेवभूग कुटविखठभुडः ॥ वर्द्धे [illegible]
वेगद्वेलिपंद्धं वज्रठेटण्ड ॥ ॥ ॥ ङत्रिमीतलवदम्हदरली [illegible]
[illegible]

[illegible]

दे. क. ०

तितनः श्रीमहा[illegible] ॥ ॐ अस्य श्रीदेवीकवचमन्त्रस्य
[illegible]ष्टुप्छन्दः ॥ महालक्ष्मीर्देवता ॥ ह्रीं बीजम् ॥
श्रीं शक्तिः ॥ क्लीं कीलकम् ॥ श्रीमहालक्ष्मीप्रीत्यर्थे विनियोगः ॥
कवच[illegible]कीर्तितः ॥ देवतानां [illegible]
महालक्ष्मी[illegible] ॥ श्रीमहा[illegible]
[illegible] ॥ श्री[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]कवचम् ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]कवचम् ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]कीर्तितः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

ਦੇ ਕੇ ੭

ਨਤੋਥੰ ਸਥੇ ਮਕਿ ਤ੍ਰਿਯ ਸੁਣੰਦਾ ਮਣੂਏ ॥ [illegible] ਕੋ ਪ੍ਰਮਨੁ ਤ੍ਰਿਮੇਕਦੁ:
ਪਠਯ ਰੂਕਾਮੇਮਾ ॥ ਚੇਮੁਣਠੂ ਮੂਡਤ੍ਰੇ ਤੋਥੰ ਮੇਕ੍ਰਿ ਯਲਘਤੇ ॥ ਮਤਮੇ
ਮੁਤੁਸਾਮੁਤਾਵਰਾਦੋਮਦਿਧਮਰ ॥ ਰਿਦ੍ਰੀਗਸਾਮਮਕੁਠ ਵੈਪੂ
ਵੀਗਰਕਮਰਾ ॥ ਮਦੇਸ੍ਰੁਨੀਠਧਕ੍ਰਤਕੇ ਮਮੀਮਿਮਿਪਿਵਾਦਰਾ ॥ ਸਕ੍ਰੀ
ਦੇਮਮਮਕੁਠੰਸਵਸ੍ਰੁਸ੍ਰੁਵਮਤਰ: ॥ ਮਚਠਰਾ ਮੇਠਕੂਰਰਕ੍ਰੇ
ਮੇਠਿਤ: ॥ ਸਮ੍ਰਿਤ੍ਰੇਗਥਮਕੁਰੁ ਮੇਹਤ੍ਰੇਣਮਮਤੁਲ: ॥ ਸਤੁਯਤ੍ਰੇਗਮੇ
ਸਤ੍ਰਿਦਲੰਸਮਮਲਯਣਮਾ ॥ ਪਿਏਕੇਤੇਮੰਮੇਵਪਰੰਤੁਪਾਸਮੇਵਸ

ਰਿ

ੳਤ੍ਰਿਯਣਿਕ੍ਰਿ ਕੂ ਵਰ [illegible] ਵਣਮੰਤੁਮਮ ॥ ਮੈਤ੍ਰਿ [illegible] ਸਾਯਕੁਕ੍ਰ
ਰਮਠਯਾਯਮ ॥ ਰਾਦਯਕੁਯੁਣਾਨੀਤ੍ਰੇਮੇਵਾਰਤੁਦਿਤਯਪੇ ॥ ਮਦਰਲੇਮ
ਦੇਸ੍ਰੁਦੇਮਦਠਯਵਿਰਾਜੀਤਿ ॥ ਤਾਦਿਮੰਧੇਵਿਮੁਖੁਤ੍ਰੇ ਸਤੂਰੰਠਯਵਤਿ
ਤਿ ॥ ਸਮ੍ਰੁਰਦਤੁਮਮੈਸ੍ਰੀਹਨੀਯਮਗ੍ਰਿਧੇਵਤੁ ॥ ਯਦਿਰਾਮ੍ਰੁੰਤੁਵਾ
ਦੀਨੈਰਤ੍ਰੂੰਯਦਤੁਣਾਤਿਲੀ ॥ ਸਤੀਸ੍ਰੁੰਵਰਾਲੀਰਦੇਸ੍ਰੁਯਰੂੰਮਗਵਾਦਰ
ਤੁਮੀਤ੍ਰੂੰਮੇਵ੍ਰਕੇਮਾਗੀਰੰਮਾਤ੍ਰੂੰਸਕੁਲਣਾਤਿਲੀ ॥ ਫਕ੍ਰੁੰਰਦਤੁਵਕਾਲੀਕ੍ਰੁ
ਣਮੁਤ੍ਰੇਖੂਵੀਤਵ ॥ ਪਵੰਧਮਧਿਮੇਰਦੇਸ੍ਰੁਮਤਾਮਵਵਾਦਰਾ ॥ ਲਾਯ

देकं ७

मेघपृडः [illegible] भूः ॥ [illegible] पुडमदि

मेघावर्त्तकि [illegible] ॥ मि [illegible] डौलिके [illegible] ॥ भ

लणीललाम ङवेरके डमेभृंगी ॥ डिकेडम ङवेद डेरं मभ

डुभरामिके ॥ मङ्गिनीमडवेदरुं रेडु पेडुरदाभिनी ॥ कपिलं

कालिकाकेडू लेपुलेड मकुंगी ॥ राभिकार्यं भगनुमडुडरेषु

मयाश्चिक ॥ धुणोभामोडकलं लिफुः यमभमभुजी ॥ मडुरडड

कोभीकलूडमे मयालिक ॥ भलिकमिडभनुभमनदमयामड

नकभ ॥ कः [illegible] डेडुयं [illegible] भ [illegible] लं ॥ [illegible] यंठड

कलीया पुंदमेणङ्गुर ॥ नीलगीवरदिः कनू रलि कनरकौ

णी ॥ रामकुरिभीडद मैपुकुङ्कुरङमेवमुलणाभिन्ली ॥ डनुंभेद्धिनीर

डेदाभ्रूं कयाकूलीभुम ॥ नपणकुलेमुगीनके कुडेरडेनलेभुगी ॥

भुरेरडेभदमेवीऊदयंभुजनोमिनी ॥ रोठिडकभिनीभेडुठ

गुठेभुगीडव ॥ कुडरापायभेकु यगुडेभदिषवादिनी ॥ कर्हूंठ

णवभैरेडकुरभेउविरापकी ॥ गुलंकेजवभिंदीमधापयांठ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

190

डिकैल भमिापमेश्नेदेवटेवंभदेश्रुाम ।। ह्रन्वैपरडभभीनंख्रसत्रभ
ापपक्कलाभ ।। भराभ्रामिरैरइगक्लिडस्निघ्रगंभक्रुभा ।। भ्रम्ह्रमि
रभाचत्तीरह्रज्ञलिग्ठधड ।। स्त्रीव ङ्किके ञुडवम ।। ढेवढेख़ला
गत्रावभंमयेस्निभदञ्भम ।। रदसृभेकमिस्कुमिरखुंडंङकवङ्क
लभा ।। ढेवङयभ्रुयकस्टः भुेइभेडस्थिवनिमभा ।। पठडाविडंर
घड्ढःक्तिमपरःपरः ।। ठडिपधुभुमढेवनस्थिकेनरलागभ्रुनः ।। रेव
मठगवनेकैविकमवेइपक्कलाः ।। स्त्रीठगवत्रवम ।। भंपुभापुग

ठं
म
१

म्नेघ्रुपढ्रुवपमिभयघडा ।। ह्रुकस्टपियघक्र्नेपुंरदभूंकघव
मिडड ।। भरकलहृयेलेकाङ्किनकडुह्रवेडरः ।। घ्राम्ङयभयी
मङ्कि ह्रुलरस्तडभक्तिडा ।। डभ्रमदेभभङ्घुत्रघुड्डुेमदयाटिङि:
येड्वेङिडडःमङ्किंकटालिह्रुडभुधी ।। देङःभक्लरलभ्रुभरे
ापिधुयिरीस्तुक ।। ङस्कुडिपत्रभमङ्कि मङ्कि मीलडडःपरभा ।। डडेवा
गिडिविष्टडमङ्किःमह्रभयीप्रर ।। भक्तुरभीक्तागमडवेढभाड
भरस्नुडी ।। स्नक्तीमवेह्रुवीनंङ्कीकेभगीपचडीमिव ।। मिक्षिमव

ष्ठिरुद्भक्तिरुदास्तु॥ भव भङ्गलदायिनी ॥ उयेडङ्गू छुडेविसुभवणांय
णदडे ॥ डयेडङ्गलूडेभवंडभूमेवरलीयडे ॥ मक्तिडर डसुडभ
वठवविनिस्त्रिड ॥ भुराण्डिडभुडमेवभवभिक्तुरुदायिनी ॥ डसूांभ
वगदृदेवडमेवभुडवानदभा ॥ भदभ्रैवाभक्तिप्रिदेभैलेहरूं
ठ· भं· ३ ऽप्रिडेः ॥ भुवेरानेरभक्तुभुभमेवधवि वेसभा ॥ उदवहृभयांर्भु
मैसुदपदभडभभा ॥ उदूठवङ्गय भधुंलागाण्डेडसुराभभा ॥
भभ्रराभगङूवयठराडअभानवभा ॥ भपवगंभभवङ्गंभमैलवन

कवरभा ॥ भमिशूदनद हुंपद्धुक्रडतुाज्ञिडभा ॥ वचिवाभभ
दधे भुवेरानेनभवद ॥ भुवेपनापनांमक्तिंभभाववगूदकाीनीभ
उङ्ग पवडं डेवंयगाव वगुंदविकुभा ॥ भूमिभावदीड्वाय
पवभैकुवभा ॥ श्रीरत्नचिकेतुरत्नवर्म ॥ ठगावद्रेवदेवभलेकव
भूलागङ्गठि ॥ ठकुंन्दिडवदऔन्दिवभगः ह्रियडंभयि ॥ देहः
भुवनिभेवटनलठंपङ्गुरैरपि ॥ मेडनिष्कूदंदेव वठवनपि
गाभूडु ॥ श्रीठगवत्रवर्म ॥ भगवचिन्दठगभुवरालनि

क
म
७

मेगुह्यमा ॥ अदृश्येनपादिसिद्धिर्हैः सिद्धिं आप्नोति [illegible] ॥ गुटिकासिद्धिः
खड्गसिद्धयपादुकाञ्जनमन्त्रसिद्धैः ॥ द्विकलेख्यकु पद्मेन कृपद्मकुस्तु
तः ॥ पद्मश्रीवज्रवीरमममकमसुवर्णमसुमीनद्वेवज्रपि: द्वुह्य
सद्धिःठगवज्रीवज्रवीरभैरवड सुवज्रधुद्ध्यः श्रीवज्रवीरस्त्वं अमकोल
कमत्रसिद्धूंवज्रवीरममंभुवर्णमलामे विनियोगः ॥ वज्रकुम
कुलकसंबंदुत्वप्रकृतिलेपरमा ॥ पमत्तमममंपगणपद्मश्रीसि
द्धंठलो ॥ प्रवेशमेलिममलमपरावित्रकुम श्रीलपमसन्निवद्ध

कपल [illegible] मा ॥ [illegible] तमतत्कल्प द्विवेदं सु देविस्वित्वरश्रीवी
रूपन्दविकलश्रीमा ॥ तिजमेदे हे ॥ श्री मु तु स ॥
द्व दविकुलमपकङमदलश्रीः सिवस्विया विद्युभयामुठस
ड़ सदुसिद्धुमवमुडी द्वपकत्रिः प्रकृत्नुद्भु पचवीमचमहल
दिकुलमसदिकमङपद्मलश्रीकृतिस्थिय ॥ द्विपरचित्रीवड्म
नवुमरवद्धिड ॥ यदुविद्युमद भया वेदभङभणपतिः श्रीड
स्थिपरसिद्धुमभङवीविद्युवामिवी सिद्धविद्युभदमत्रिः पवीर

रख्मेविड ॥ प्रकृतडरिया कतुं कमिनीपद्मलेमर ॥ प्रद्युम्नितीम
दभडरुमरुनडिर मिनी ॥ स्कूलभापी भगोइमनेडिः ऊभूद मिनी
रुजभरुतुठविहूभ्रुनडिः भ्रुवव मिनी ॥ मपलुमभ्रुगीभय मडि
गभ्रुमुदमिनी ॥ ऊलुवगीमुगीविहुविहुक्लिवरुमेदगी ॥ कभेत्रुगीय
ठः नीलमठीरु रुवकिव मिनी ॥ लभ्रुदगीभदकलीविहु विहुमुगीउ
भः वा ॥ रवेमुगीमभहुमभवभेकगुवमिनी ॥ भड्कुद्विम्नीरवमि नीवे
०ः धूलुवीमभदेदगी ॥ कड्डु यरीममभ्रुदमभवभभ्रुदाडिकमिम्नी ॥ रा

यम्नीभदाविद्युयेगाविद्युरठवडी ॥ प्रद्युम्नभावनिडप्रद्युडगभडभडी
भगुः ॥ कुीमलुवभडदलकलिकमिंदवदर ॥ डिकरामभुणद
गमोडरकेपरालिडिः ॥ मुचविहुणगजीनविहुभडकलवडी ०॥
पद्मवडीभवभुमप्रवड्ढुमभरभुडी ॥ ऊडूभनलगढ्गुशीशढूभ
डालिनेमुगी ॥ लिनभड लिनेबूमसमावभ्रुदेभवदर ॥ गढ्गाल
ढ्रोवपद्मरुभुणकगभुणढ्रिक ॥ गभगीडिभुयीवतुभ्रुडरीडिः
ढ्रियवडी ॥ भड्कुडिभु निम्नीसुढुभन्नडिः भदाविद ॥ मितुम्रद

मेदवाडुमभपुडी
कलिकाडरु व्रियद
रलि। ए गवाविद
विछुविदिडकभ
भवलो॥ कि डुभु
डढुडःगवदरलि
दडढुडवडभ
मीमुगीभप

किंनीगङ्गयधभायमगशुडी ॥ गेछवमीविपामायकवेदें मयडक्रद
भरवुब्बडुदगायकेमिकीगाड्कीसुधिः ॥ रद्धयकदनमायमेव
वटवुदेकिक ॥ वेड्वडीविडभुयवीगदनरवदन ॥ भडीषडिडुभ
डुीभयद्ःडुडवभिनी ॥ [illegible]

ऊ मं ७०

[illegible]

ठ
भ
०३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ह॰ भ॰ ०२

ङ्कुविभेदिनी ॥ मष्कूलापलदृङ्क्रीङ्कृवज्रविभेदिनी ॥ पश्चिकन्ध
लिकमाधुर्भुकभापरम्भक्रीडा ॥ कोलिकीकुलविष्टपमञ्जुलाञ्ज
लप्रक्रीडा ॥ कुलमङ्कुभङ्कुविकुभक्रमराभिनी ॥ वाष्कलीमेभभ
लाममहाधुःभभ्रूवविनी ॥ मकरामङ्करामङ्कराङ्कुर ॥ २॥ मिकवङ्कु
भिनी ॥ ह्रीङ्कारीरीसाकुलामल्लीकराभ्रूवाभिनी ॥ मवाटरामवी
त्रिवदरवल्लभालिनी ॥ मित्रुराणवक्त्रमभित्रुरतिलकप्रिया ॥
वधूतामवधूतीरामलेकवधूतविठविनी ॥ रुपवधूतारुपःमेदरूपवधू
तिप्रकारावलंवरकुमुदक्रं क्रुधाविरंभिदवागुंविदधं ॥ विश्वेश्वरी
मिद्धिकरीभवे मं ठलभिदेवी ठवमित्रु रकाभा ॥ ९२ ॥

करीश्रिय ॥ मदिवीरूपमातृपवरूभातृरूपवश्वितो ॥ रूपणव्रमयी
पद्मपत्रपत्रविविधविनी ॥ पञ्चवरूमयीनीतिश्रुतुचतसःपुक्रीडा ॥ म
चपञ्चमयीमिद्धिमुद्रुगाम्भवाभिनी ॥ शक्तालीशाद्वीपीवेमूस्कुन्दप
दवक्षूरू ॥ वेदभाषाडायज्ञवेदविश्वविठविनी ॥ भूभुभ्राभुभपी
विष्टवरमभुभुणविनी ॥ भभेणभट्टभेणमठदक्रवुभक्रीडा
गायत्रीभद्दिःमन्त्रभाविद्रीश्वियमूया ॥ श्रिभङ्कश्रिपथीणश्रीभप
श्चभामगायेत्री ॥ पञ्चलीवालिकवलवलश्रीभमण्डनी ॥ ग

ठं
भं
९५

इण्र्णगङ्गुङ्ग गहनमथनिवासिनी ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] सिनी ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वासिनी ॥ [illegible] सिनी [illegible]
[illegible] वासिनी ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] सिनी ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] सिनी ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वासिनी ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] सिनी ॥ [illegible] वासिनी ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

मयरंयउवनंदलस्य ॥ कमपध्वस्ठीकमम वकुम्छलेयर ॥
कुडस्हस्ठविष्टय मेलस्मेलवमिरी ॥ वभभाजेडवभ मि
ववभाक्नवमिरी ॥ वभमारयिउधुलेभभ्रुस्वेपिरी ॥ कुड
कुमभाकुमकुडठववविठविरी ॥ भन्नुलम अमीलम भरभाकुरवे
पिरी ॥ मदिलमदिलप्रुत्तिःभ्रमदिलकदिरस्भुः ॥ चिगिरीचिग
गकुम चिगकुस्टनमालिरी ॥ चिगपकुरनभक्ष भकुरंपरभग
डिः ॥ वीरमिंदीभ्रलन्दमद्विवनठलम्चिरी ॥ ठस्दणरमहमैकक

भदभेदमकुडिः ॥ भक्लिलीकलमकाडदकमहकोतिकुपिली ॥
डिःकतुयर्वाभ्रकुभ्रकुमकविरिय ॥ भहगमरदिःभुमकट
मक्तिःकविकुम ॥ भेरभक्षीभक्षीभडभैरकुठगिपीडकिड ॥ भेद
मिरी ॥ भुदभमभणभणभमालिरी ॥ भेठगुदयिनीडिकु
भठगकुडिववीरी ॥ स्त्रीःतडिवभरभैवमदक्षीकलिरमिरी ॥ ठ
कुवीलवधिकुभुभडतुत्रीलभतुडिः ॥ लगकुलीवलगकुलीलग
कुयदिवैविली ॥ मभीकरदमिकुक्नीभदयधेनमीकल ॥ यड
त्रिभुकपंभुकगंदेवीनिमदयकुपिडभा ॥ ररलकुरमंकुंठलमिभुक
मद
कि
गपुद।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ठ· भ·
०५

डेडुला मडुला कोटिः कोटि भुकोणमूय ॥ भुयभुत्रुमभगुत्रुम्यभुत्रु
भत्रुवविनी ॥ डेलाभ्रिनीभठिाष्टमवलमहलत्रुयिनी ॥ भदक्के
मभदवडुवडुिः भगभद्दक्षिक ॥ भदगूददूमभष्टविमेकम
करमिनी ॥ भाडुिकीभडुभंभुयगमलाभीयवलाव्डुडा ॥ डाभभीयडु
मेयडुडुगुइयाविठविनी ॥ ष्टडुङुडुउडुभम्वेयविहृम्यमाभूवी ॥
मभुकचृ ल्निःवीकुल्प भगः भक्तुल्प भत्रुडिः ॥ भचलेकमयीमाडुः ॥
भवमूवगोयम ॥ भवक्षुवडीवाक्षुभचडडुवगोठिनी ॥ लगूडी ॥

मभत्रुडिभ्रुभुभवभुडुगीयक ॥ डुमभद्धुगाडिमद्बभाद्धिगमेय
मेंद्धिनी ॥ भवडुभिः भवभडुभवमवकवेहुडा ॥ मुभल्हम वेड
मकिडुिमदुडुठविल्नी ॥ मुमभुमममदीहमदहमीहिडुभकि
डा ॥ मगवल्लीरगकडुठेगिनीठेगवल्लुठ ॥ भवमभुवडीविडुव
भुभ्रुडिवमवयिनी ॥ मूडिःमूडिणमहोभुमेभुभडुलवमिनी ॥
भीभंभडुकविद्रुम्यभठडिठुडवडुल ॥ भमछिदडुमगीडिग
भीगठववलिडा ॥ मगभमणमभ्रुडिवगभवगडुहल ॥ भमडु

क. धं. ७

यद्भनप्रमुप्रक्लि विवभिनी ॥ भवमत्रुमयीविद्व भवमत्रु द्वलखलि:
मपमृव मवत्री मद्दभगीह्मभर्त्लक ॥ भद्रुभ द्दलमप्रमु भद्वभ
द्दलवभिनी ॥ उमग्रलवनीद्रूरभमुगाप्ढुगरमिनी ॥ मडीइलिद्रु
मपाम्ठविनी शीडिमज्रनी ५ भव भोप्रवडीषुत्रिरदरपसिञभि
नी ॥ विण्रेपद्धुद्रुडयं ख्वभगवडरिन्नी ॥ मुहृर म्पनुदवडीविगु
नयुदवल्लिड ॥ गौदिन्नी ह्रुभिगहुमकलद्ध:कलवल्लिड ॥ कल द्धु
गडिडरगीमडु:ष्ठुविठविनी ॥ ल्नीलुयल्नीलुवमुमउअरवव
त्रिवद्दि द्ववद्व व पद्मुनदं पवीव: भुरपुकार भकार मेवदेहु:
वदविनीदमभो द्धुभोपिकापुं ठद्रुटपक्कि डिरापु ठवेहुबारि,

पद्रुठ ॥ मुरम गविवडि: शीडीगडिगगविवविनी ॥ पद्धुवडगडेद्वि
द्वं पद्रुन्नेवद्दमधपदर ॥ पद्धुपिडवडीपद्धि: पद्धुभुवविठविनी ॥ द
उमृडीक मवडीवदि: पभुविन्नी द्रुद ॥ रग्न: मुद्रुपरमत्रिल्लरपु
नद्दणविन्नी ॥ इकलद्दुइलिद्वेइपुत्रिभिपुरमुद्दनी ॥ मुरग
मिवडद्दुमकमडद्दुनगिनी ॥ पमुवमीपडीमीनि मुलीमीनि:
प्रिद्रिन्दिमा ॥ पदद्रुडिरदद्धुरवलेभायवलिप्रिया ॥ भुद्रुव
भमिवेनीमभमुद्रुमद्रुदेवड ॥ भडभडमनीज्राडि: पिडभड

॥

[illegible]

ह॰
म॰
७॰

पिङभदी ॥ भुध दे दि ङ्गिली ५ ही पे ङीन डुी मिमुडिय ॥ भुनम भु
णगमविङ्गुये नि भुन रुयी ॥ मिस्तुङ्गनणग ष्ठेल ष्ठेल ह्री नहिर ङ्गि
नी ॥ ङवमी कुन्ली केक विमिणमि पिन डुकी ॥ णप ह्ङ्गणमि ली प
ङ्गण भङ्ग नव ङ्गिनी ॥ भन्त हुन पि कल हु ल हु प मु ठल हण ॥
वङ्गि नी भु पखु म्प ग पतिप म्प पनिच ङिः ॥ ५ काङ्गुलय वेन भद
म्यभदे ष्ठः ॥ पेधन्ली नेधन्ली मङ्गि ङ्गी ङ्कमेनी भलेभम ॥ ललि
ङभं भलङ्गी ७ वेष्ठवेम्ङ्गणमिली ॥ नमभन्द नभङ्गपन नभग

ॐ पभूः पमङ्ग रे विल मिनमिभम म्यव विङ्ग ५ भमु विङ्ग
नङ्ग रङ गं ल ङ मकल भठ ङ्ग ङ्गुपङ्गु वि ङुभ ॥ मेव नेअङ्गि ण ङ्गं
ङ्गव प पः आ वे ष्ठ वेम न णति ङ्ग ङ्गनि ङ्ग वव नि ५ वनवन भठमा रे वङ्गुनी
मिङ्गुभण ॥ भुव ङ्गी नङ्ग मनी नकि मुक ठ धिली ॥ मभुनीग
नङ्गी विङ्गु व नली वनण विङ ॥ वनदी ङ्गनपुन पङ्गु ङ्गु व भ
ङुग ॥ भीन मुङ्गिण भुङ्ग वम्ह ५ ङिम मृप ॥ मभुङ्गिङ्गि वि ष्ठम प
भलगु भमिल मुपिः ॥ भ्क ङिः मं भुनङ्ग पणभ मंङ्कु नभनं भुङिः
५ नङ ष्ठम ठ भग गग वगी ङिः ५ दे लिक ॥ ङ ड्म पिङ्ग ल पिङ्ग
भवङ्कु भु दवनि नी ॥ मनि भुव म ङवभु ङ्गक किट भ ङ ङ्गु पिली वि
नी ॥ मण ङ्गु पव दङ्गु पल भङु पमुनः ङ्गिन ॥ भुवन मन ङ्ग भण्ठी

ह॰
म॰
३०

दउकद्रदलप्रम ॥ विधयाकृतुडेदयविविमेधालिडेद्धिय ॥ वि
मुकंयमिदरवद्ध पवश्कृपवोपिनी ॥ विचिकरायविचेरा विवेडिःम
दुवविनी ॥ पदध्कृत्वठिवयइत्तिःकैवलुधयिनी ॥ विविकृमेविरी
पकृलावयिङ्गीवकृमृत्तिः ॥ विगीदयमममुदमन[illegible]ककमेवि
ड ॥ मेवमेवारिवामेदृमेवादलविवुतिनी ॥ कूलोकन्किरियाकी
लारुमुद्रेकविरामिनी ॥ पहछुणवधदाधुःपकुणगमनयविः
भवलस्किवन्नयमल्पिःमेमउवालो वीरकुचीरमावयवीरमु

चीमवक्रिनी ॥ रूपृमीकृलयचीदम्लायदलायवुविनी ॥ मेहूरु
मुठगाकरामवचमेठरूववद्दिल्ली ॥ डेमकृगीमिद्धिकृरामक्रीडिः
पविवेवड ॥ मचडीकृमयीमुद्धिःमचदेवृमयीपठ ॥ मचमिद्धि
पयमाङ्गिःमचमञ्जलमञ्जल ॥०…॥ विमहंमदमृ[illegible]
मायान्दूठविडमा ॥ मडुचनपुंमहंवद्धिकेवपकमिडमा ॥
वडःपवडवेमङ्गेवडःपवडवःमुवः ॥ वडःपावडमविहुडीकृंवडःपवं
पवमा ॥ डेपहुःदडपुदमेडपवकुविपुलिडः ॥ पकठवंमयवि

हउकुदलरमा ॥ विषघाकुठेदप्य विविमेधालिंडेहिया ॥ वि
श्रुकशामियरद्र पवहकुरवेशिनी ॥ विचिकरायनिचेरा विडेडिःम
दुवविनी ॥ यदधक्लूरठिवयहाडिःकैवल्लूमयिनी ॥ विवित्रुमेविनी
ह॰ रकलारयिद्रीवकमृडिः ॥ विगीदयमभयेदम [illegible] कमवि
म॰ ड ॥ मेवमेवाविवामेहृमेवादलविवुतिनी ॥ कल्लैकल्लिरिपाकी
३० लाहसुम्रेक्ववियमिनी ॥ रहस्रणडवदष्टिःपकुणागसुरवडिः ॥
शवलम्पिवल्लयमभलिः मेमहवाले वीरकुचीरमालमवीमृ

चीरवकिनी ॥ सायूमीलयवीहलम्सायदसाचवुविनी ॥ मेलिहू
मुठगाकरा मचमेठहवहिलनी ॥ देमक्कगीमिड्डिडा मक्रीडिः
पविदेवड ॥ मचडीक्रमयीपडिः मचदेवमयीरठ ॥ मचमिडि
रस्मक्रिःमचमक्रलमक्रल ॥ ०… ॥ डिमहंमदमहामेयम
भ्रायाम्हरुठविडमा ॥ मडुचनरुठंमहृंचह्निकेररकमिडमा ॥
नडःपवडकेमडूरडःपवडडःभुवः ॥ नडःपाडमविहृडीकृंनडःपां
पवमा ॥ डेपहूःरुडपहृमेडपवकुविपुलिडः ॥ पकठवंमयवि

ठ· म· ३३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सु॰
१७

दभदयथक मरमप वरमठय भमप भुकक भलपद्भगमड
भभलडेमरवरदमुत्भपपे । रक्रुडविविण्पुणे ॥ मद्रिकें मगुभ
दे । किरडेमे । शक्र्िमद्भृ । नरयलि । शक्रमारिलि । दिहुर
पेविणपियिनि ॥ वेदभउजा यद्धि आविद्धि मरभुडि । मचाण्रेभचे
भुवि । विहेभुवि । विभुकड: भभाठिविमुहिमये । मिळ्ये । भितुभं
लि भुक्रुपे । कैवल्नै । कैवल्नुभुक्रुपे । मिवे । विरामृये । विद्भणिमये । र
क्रविक्लुनदभुगनमिडे । भौदिवि । डेधलि । ठयक्रुरनामिनि । दिविभ

श्री
^

डरमविनि । कले । कलकिक्रुरमविनि । कलाधिमिपे । कलगड्ड
भुरले । विडे । भिंदरषे । येगरडे । चेगीभुगनमिडे । ठक्रुलानवड्रले ॥
भुगधिये । भुगधियकगिलि । कनदे । मने । डलदे । दिरदे मग
दे । उद्भमेद यभा ॥ भुभामैवड क्रमयाचड्रीएक्रुगगिलि ॥ ड
रामपचडीयेवयडिलीमा विकाभुमी ॥ रक्रुभ्रगिदिरभीरंभा
ड्रमड्रेपमैठिडभा ॥ पी॰ भुगीमिलक्रुंमे तिक रलभाभूड
भा ॥ भुदकेतिभ्रुठंदेवीभदमभाभ्रिलेमरभा ॥ भुदयिदेवै

वंकृॆडं मागिकं ५ म भभृदमा ॥ ॐडि श्री मा गि क भु इ भ ॥

डिरभेडगवडेभुदय ॥ श्री हे र वड वाप्र ॥ डिघेदेवदेवेठगवाङ्
ह्कभिदभं विजिः ॥ गायत्रीनायकेठभुद्भ विडेडिरगीघेडे ॥ डस्र्
मु· दंकवयाद्धिहंवड्डथह्नकहिणभा ॥ भचमभनुभयंतुहंभुल
क· विह्नुवदभूकभा ॥ भचभाभदरंदेविकुःापदागिह्नुवसुरमा ॥ भ
४२ दङ्खुदांवंटं भचरागाविवदभा ॥ भचमझुमघेदथभङ्ग

विगाघ्रष्डभा ॥ भचवेडलाभयंघिहंदेवदवरवपुलिगडभा ॥ गले
गणाहवेमेरेभचेपह्नवरम्भुरभा ॥ भड्ठकवेघ्निडंवद्भहेगवानर
नितडभा ॥ गृदपीवदरंदेविमचभह्नुणगमरभो ॥ पाडाउदभू
देवेमिडक्तलेकपिडभदुः ॥ विघ्नुवगाघलिदेविवलेदेहस्र
घहूपि ॥ मह्नुरः भचलेकेमेवाभवेगिष्ठिवभ्दडिः ॥ डघपीमः म
मीदेविभ्रिवंदठैरवेम्नुरः ॥ भडुह्नकंभरंवद्भभविडः भगाभुभ
भ ॥ चेणगवेह्नुलभुग्निगविवारेभदेम्नुगि ॥ भरलावल्लठलेकेडल

भु.
क.
७४

श्रीवीरभद्र नः ॥ वज्रते के नकिंदेविविकं वमम्भूं भूण रा ग्रउ ॥ उंदल ह्रीं
नरेशृद्ध ड्रिंसुवडि रद्वष ॥ भारइ प र भ भ्रूंड्रीं द्वेव र भफिड्रनंठं ॥ क
वम्भूं भूंद्वे वे मिश्रुल विष्टु भयस्तुय ॥ वसू पक्षूर का इष्ट भ स्फिूक
मभीरिडः ॥ गायइंस्कु च उंड्रुं द्वेवड भविड भ्रू ड्रः ॥ भाय वीरां म
रस्कुद्रिं रभः कीलकभीस्रुवि ॥ भवाज भारे नेद्वे विविनियोगः ष्टंकी ड्रि
डः ॥ मध्य सुवसू पक्षू काइष्ट प्रदकवमम्भूं ब्रूक्र टधिः गायइंस्कु
ग्रंः सूीभविड द्वेवड ॥ ह्रीं वीरां भः मक्रिः रभः कीलकभ भवाजं

पहेभ्रुत फवयप भे विनियोगः ॥ स्विंभ्रं भ्रं उंगं मिरः परुसूं भूंदि
भन्नूविंष्टदः ॥ उं उं ठं ठं लल तूं एंभे फूं राविः परुमिक्रूयः ॥ हिंहिं
नैं परु रे ई ह्रीं भभ फ्रु भ गष्टिः ॥ डंकं म्रं पं सूंडीं परु भः भच
लगारवीस्रुरः ॥ कं पं गं प परु गक्रे अं भ्रुदः भर पु लिडः ॥ यंठं र
गेयर भं भे परु र्मु दभ ग्रक्रः ॥ एं कें ठंभा प प ययफू येगीस्स
पु लिडः ॥ उंवं ढं पंगलं परु नंरस्य लवलूठः ॥ पंदं वंठं भभ्रूं
स्त्रीपरुभः भदभं निषिः ॥ यंरं लं वं क्रु के परु भुलं भकलरायकः ॥

मंवंमंदंप ३ उवर्ष्ठे श्वलमतुभयेपूवः ॥ लंफः उहिंमद पाउगुदा
वेद्धिनेमुरः ॥ दां दंं ं नेमंमेप ३ पंधुंद्धिदमवं घकः ॥ वंमुंउंवंडंडं
टंकंगाहिं प ३ उमेपदः ॥ हेहिंगे यंद्येङ्कलं लंणेकणिंठरंदंमंव
उ ॥ ऐंवं ऐंढेडेवेढ़ेऐंरुउठभुंञमंवउ ॥ पेंढेंवेंनेंयेंरेंलेंवें
ह्यु मेण्ट्द्धिवकरः ॥ मेंधमेंदेंलेंदें प ३ उमुलंपाढ्यीइयीडजुः ॥ लेंडं
नें नें में में प ३ उमविडभकलेवयः ॥ मेमः प्रवेममं प ३ उठमेयमं
मव्वउ ॥ श्रणमंच्छिल्लेंप ३ उनेदहंगुरुनेवभाभा ॥ पञ्चिमेमं सि

उः प ३ उवचहंमंयुरेमुरः ॥ उउरेमंउमः पायदेमरंहूंमंमिरपीडव
५ उखुमंउुमिदिदिमंमघमुप्तामट्ठडिः ॥ ४ठउेकह्रुगः प ३ उमसफेमं
द्यिनेमुरः ॥ मायवेच्छरियः प ३ उरिमीवेनिम्कुरापडिः ॥ मचदुमचुव
प ३ उमुदेमंमयद्रुरावकुः ॥ रल्नेरवराउलेमुउविवाल्पमञ्जुमङ्कुए ॥
ःकुमेमद्भुद्वेयेप ३ उमंमविडप्रकुः ॥ उंउंउंउउउउउदम
मयःमुदेवडच्चठयक्रूह्रीहीददददमोदमदमंदमेवडइ चट्टः
मःमःमःममममःच्चप ३ कुंनयरस्नेरमुन्नमकं डुयमंउलरयक

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पन्येहिभन्नडेरइभंमयः॥ डिष्ठनेकेध्रविएडंविःसेयभकगंभन्ना
देवदेवंनभभूहरडनदुयमञ्जरन॥ उम्दद्रुवरयद्गेनभुदपरा
येद्रुन्दु॥"॥ भुष्टनीध्रुद्विहन्नयभनुभूद्रुध्रुभुवःनीलभूवविः
भूदद्रुपेररयले देबुड॥ दविडन्यरवंदिवंकाभिडिनीलाभा॥
डिरभेठगवडेलिडवैभ्रुनरलडवेदभेडडिमनीलाभा॥ दभःभुवि
यभु लिःभुदभ्रुविडेभम्बयवुजीडिभुलभदुभा॥ विरभेठगवडेभुवि
दयेङ्किलकभा॥ भकलकभरमिद्दुंभुवेमिनियिगः॥ भुववष्टरभ

डिभलभेदद्रुदंयहिभीद्रुभभरकभा॥ भद्रुरदद्रुभदडेलि
दड्डभहुलभद्रुगभा॥ भुंभभद्रुभद्रुकेद्रुडभरलिसकवद्रुयभा॥
एकभुंमिद्रुयेद्रुंद्रिद्रुमांरद्रुवभभभा॥ डिभुकंभुवनिविरभे
भुविभेवललाएके॥ विद्रुभेद्रेइयिःभुदंकलुयेभ्रुविवद्रुरभा॥ रा
भिकयांद्रुभेद्रुंवदनेठभ्रुरंद्रुभेड॥ भलद्रुभेभुधुगलेरभरयं
विलेयवभा॥ भुवलेरद्रुभंकेद्रु भुद्रुयेभिगद्रुडेलभभा॥ रद्रुमेभु
दधांमैववभिद्रुवंदभुडेद्रुभेड॥ रद्रुभुगेपडिद्रुभेद्रुविडरंद्रुलाद्रु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्र॰ ७१

दःापगःभुधागठम्भिभान ॥ भुवलुः भ्दाए केठत्ःभ्दुरिडेविभ्रडप
नः ॥ दिग्स्टगहम्भिमिगभुपनेठभ्रूरेगविः ॥ भतुम्हेगेपडिःस्रीभु
द्गुडल्लम्रुस्रडपवाने ॥ डमिभ्दठगेदंभेरभट्टस्रुडमेत्रपः ॥ स्रुडु
विवेम्पःकेस्रीभदभ्रंस्रुभ्रूदप्ठः ॥ विवभ्रुम्दुधभ्हड्स्रुभिदिव
सभयशिविगड ॥ शभ्रुगम्धि पउस्रुमवस्टमिड्दडपः ॥ मवि
ङ्लेपगडिःस्रुरेस्रेडीठरेभदयमाः ॥ मभ्फुम्त्रिड्स्रदपेरभ्रेदहक
हस्पयकः ॥ पंस्रुभात्रुभेप्देवठगेस्टडाःभेभमवया ॥ दम्भिस्र

भुभभ्दरःभधुभत्रिभ्रगीधिमान ॥ मषिगढेधिडेःधुडविकुम्भिः
भिवरमवः ॥ पुधाविस्रुभ्फ्रगेभिड्रःभपल्रुभप्रडपवान ॥ भ्रुडभीभ
म्लीठभ्रुंभुपनःभचवडपनः ॥ त्रुडविस्रुभदवडेपःभचवत्रुभचेत्रु
डः ॥ भयगस्रुठगस्रुवरठकगदिकरः ॥ मद्रस्रुम्स्रपःभेभेद
हकहदलदः ॥ भ्रुकेम्रदगभीरत्रस्रुत्रुवनः ॥ शम्डिशत्रुः
भनेवृम्भ्रिस्रुम्रुम्दवम्फ्रिवेवनः ॥ वदम्कठश्रुदम्केभेवदम्भ्रुभ्वद
भ्दडिः ॥ स्रुल्लाभ्रःस्रुल्लोगडस्रुस्रुल्लास्रःस्रुल्लाठधाः ॥ मविभेभ्रुवि

गु. ७७

अप्रमेयात्मने नमस्तुभ्यं ॥ सर्वादिनादिकमप्रभुतदिहेदिन्दुतिनमः ॥
तन्मध्यप्रमुक्तप्रभवनकांतितनमन ॥ तमव्युक्तद्युदनकेतुःसव
केतवनमः ॥ नमःप्रव यगिरयेवदिगुप्तनमेनमः ॥ उद्दीपेतु
नमोदितप्रज्ञापनमेनमः ॥ नमोनमः सदसे सप्रदिदयनमेन
मः ॥ नमः पद्मरवेणय नमोहसिद्धवेनमः ॥ हितिदिव्यतेनमस्तुहं
सत्वकयनमेनमः ॥ रत्नीतयनरगलतयपुगातायनमेनमः ॥ नम
स्तेदिव्यतयेपविवीपतयेनमः ॥ नमःस्रुवधरक्षत्रसस्ययनमोस्तुते

पत्रेदुदियनावेनसमवेननमोस्तुते ॥ नमोदपकवलपठम्भ
यनमेनमः ॥ लयायसायपठद्वयदातिमूर्यपतेनमः ॥ दिव्य
दिव्याययरुदानेपतयेनमः ॥ नमःमकुतुये हुहंतुलतुलतल
हुते ॥ नमोवेकन्तुनायायनमोदिव्यस्कंधे ॥ हूंहूंसिद्धिसिद्धि
देविस्फुर्जत्पतिः ॥ ध्रुवेवनदेवदुवायुगधिस्तुवेदि ॥ येस
नदसभदमेयव्यूहसमस्यापेलाते ॥ लकेवनतिशिवेवेनसमभान्व
मोस्तुते ॥ नवदिदेनानलहंसदमालिप्समस्तुदिः ॥ यावदुपादिक

पु
हि
७२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मु॰
कृ॰ ७५

गतिः ॥ स्यान्नवत्सलतिहुंभेक्तवयाडिगन्धिढिः ॥ स्थयक्षुस्त्रणत्रुद
क्षीः स्त्रीस्त्र भन्येछन ॥ स्यवमचद्भक्षेटेवः श्रुड्रेष्टुः भरडन ॥ तंस्तु
वः भचक्रुतांधनभेश्रुीस्लपठिः ॥ कलद्वमचक्रुतद्ववित्रुद्ववि
श्रुडेभापः ॥ लाद्धभटदुलरद्भुतिभेभागठयनामनः ॥ दाविद्रुभन
वेभीस्त्रीभद्दतुग्धिवेकरः ॥ गठभ्रिंदभेत्रुकुटः भचवदेवनभु
डः ॥ श्रुधरागेष्टुमेव्रुदंनगेविद्धडिवद्धनडा ॥ लेकभदीदिलिकेमे
दडकडद्वनीस्त्रुवः ॥ डपनः पवनस्त्रेवश्रुग्धिः भडस्त्रुवदनः ॥ विक

ड्रेविविभुंस्त्रुभडन्हिठश्रुगेविः ॥ लेकस्कमकस्त्रैवस्त्रीभभव
गदेव्रुरः ॥ उडुडेडभठिः भक्षुश्रुग्धिहंभ्रुडियभद ॥ स्डद्धद्ध
यकेत्रुयडश्रृगेगठयंत्रुडः ॥ पडकत्रुस्टेडभक्षहणिहभुनभ
मवः ॥ पकमहंत्रुद्विमत्रुमभचवभैः स्वभष्टेडे ॥ द्विमनुंलाभभ
नभुपश्रेस्त्रुपनभंपक्षभा ॥ धक्षफत्रुनडेभंभ्रुफशडिभृष्टेडे
थद्भहुत्रुनडेभंडद्भद्भस्डिश्रष्टेडे ॥ भक्ष्मपितिकत्रुधुविभ
हलविविमधिकः ॥ धेयाडेदश्रुरेगश्रुद्वागडीभाकेयषः

पुरा. प्र

सापभागवस्थानशुद्धिर्णीविष्णुमस्यं मडभ । मंवद्धे र भग पवस्तडग्रु
पूर्वोक्तवेड ॥ समीदं पशुद्धिस्कुयाभदेशरुगरकूव पभ्रिदंप
ठङ्कुवारेठ रेमिदङ्करः । सडः भुरेतडेभाजास्कपूतडभावभः ॥
भपल्लुपङ्कवडितम्पाङ्गभुरल्पडे ॥ पङ्कवङ्गुवभप्पदेरुपङे
माहुलाभुष ॥ शुद्धिहत्पदंपंपदं प्रदताभविद्धिथिडभ ॥ मूङ्कवड
लिपिडंपाजभचापाप्रै स्वभष्टडे ॥ सुडः पवडंवतत्रिमिद्धिकंभष्ट
पाङ्गव ॥ पडङ्गपडंकेडेयथडःसेपेठवाभूमि ॥ शुद्धिहत्पदं

२२

पङ्गंपः पठेकुभमादिडः ॥ क्कु दभष्टडेपापङ्कुङ्गवेगेभापव
म ॥ स्वडवंस्वपापविष्टुंसापेश्रुपिमभादिडः ॥ भवपापविशु
द्धुङ्गप्रदलेकेभदीयडे ॥ श्रपङ्कुलठडेभद्दुरेप्सुवतभापाड
रेगेः भचेविभष्टडरेगीयः पठडेभप्प ॥ यभ्रुद्धिहद्धिनेपाडग
६ ढिभालेसालेभ्रिडः ॥ डप्पयाप्पलभक्तुं ठभ्रुकुंपवलाडःभ्रिडः ॥
भथाडिपरभंभ्रुवंयडदेवेदिवाकरः ॥ स्नमिडुपभवीवङ्गय
प्पकुंभभाप्परेडा ॥ डप्प पडिलाडिंतवभङ्कवा पंभर ॥

मा॰ हा॰ ७१

[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

७३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रदं ७७

यनमोस्तुठुन्नवेनमोस्तुवैसुन्नरल्डवेडमे ॥ ठुमेवसर्डुं पतिग
दूलगदूठेदेवदेवेमरनमोनमोस्तु ॥ नमोठगवडेठुठुं नमोस्तुल्डवे
डमे ॥ ॐ अस्तुं भक्तठतेगठदन्तुं नमोस्तुडे ॥ पदिमुदमदंमे
दूलो मेसागडुडे ॥ षडकमदभुमठठुगठदसुतुं दिवाकर ॥
ॐ नमोठगवडेभुटूयाटुयडेलामेनमः ॥ ॐ शिवायनमः ॥ ॐ
सुदिटुयनमः ॥ ॐ सुदिटुंमसिवंविटुस्कुवभादिटुदुपिलाभ
उठयेगदुंगभिसुदिहमुमिवभूय ॥ षडवेद्विअष्टैकवंभकवे

मध्येदिवाकरे ॥ उदयेब्रह्मरूपेभोभद्रूपेयमदेश्वरः ॥ आयरूपेउ
भयेविष्णुभिस्तुत्रिमूर्तिश्चदिवाकरः ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः दिवाक
राय नमः ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः सुदर्शनयसुदिहृयनमः ॥
ॐ नमोभगवते अस्तु तेलासे लिङवेश्वानररक्तवेडमे ॥ नमोवटुं ग
दूलगदूये वरदेवनमोस्तुते ॥ दिमश्वायडमेश्वायदूर्श्वायनमो
स्तुते ॥ दलउल्हुयममध्येवायडमेस्तु दक्षु नेनमः ॥ ॐ स्रीं ह्रीं ह्रींद
रिडदयगघदिवाकरनमोस्तुते दरयेनमोनमः ॥ ॐ दरिडदय

गु.
ह्ल.
२.

गर्वदिवकांकरकमयभुलगेग पिङ्कमा ॥ ध्डिद्विमदिडं
रवेरवंमग भुपेमिदि्हरेडमभा ॥ रमडुडेठयंरडुहरि
हिठयंठवेड ॥ रर गेहिठयंमेव रक्षडेहिक्रमिड ॥ मखुहिरठयं
मेवपाक्रिवेहमुपैवप ॥ मनडि मठेडमुपलपालठडेमिवुकुा
मिङ्किक मेलेठ क्लिङि रइकमः भइडुक्रा ॥ ण्डडुणडुकतुप
ठक्रिपुरेरपेडमा ॥ पुपुमेणमदमुवरलापेयमडयुम ॥ क
ट्केणिमदमुपहठ्लंडुमाभुपाड ॥ डमाा दिहहुमयंपेः

णीडेमडडंहरः ॥ मचपापविमुकुहुमुदलेकेमदीयडे ॥ नामु
मिहमभेदेवरामुदिहमभकृडिः ॥ महहिठगवतिङ्कदेर
विभ्रुरपुमडि ॥ गवंकेणिमदभुमुयहठलेभमुपाक्लिडरं ॥ ड
हक्लेलठडेनिहंमामुद्धमुडिघिगविमा ॥ घेणीडेमुदहमयं म
दलेमकलंठवेड ॥ मभुरंहक ञंयलिपिहुमभमदयेड
हक्लेकेणीणभगेदेवमडिभेहदवरा ॥ एडिम्हरमभुडि
मुकुमुणडमंमयः ॥ डिमरपलेकइयपावरायक्हडहरेग

सु. गु.
२०

पउयेदध्य ॥ श्रुदयभनस्वलयाछिदेडवेनर्भमदकर्णु
केडुभय ॥ विवश्चुडेल्लुनकुवेतुगद्धुनेमानस्वकीभयमागद्धुडे
धिमे ॥ श्चुयभुवेल्लुनभदभ्समडपेभगेडुभयमिडडेमामनमः
नमःभविड्लमागकडेकमडुधेमागहुश्चुडिक्षिडिनामदेडवे ॥ दु
यीभययथदिशुम्नद्धुणविमे विविद्धुरागयामसकुराद्धुने ॥ य
भेम्पवेनेदमागहुश्चुडेम्वदुडेमापिलकम्दमिद्धुये ॥ वक्षु
द्धुनागयामनदृवछिडःभनःभमयक्षुडुभन्नलाविः ॥ नभ

भुश्चुदयभदभ्नम्धयेभदभ्मकुरुयभम्ठवद्धुने ॥ भदभृयिगः
क्षुवठवठविनेभदभ्केलीवुगणविमेनमः ॥ यम्हलेमीवि
कुवेनापुभवयःडीहुभनछिद्धुभभा ॥ कविद्धुकःपठपकव
ममयपवसुभंडद्धुविडुचनेमभा ॥ यम्हलेदेवगामेमयशुं
विस्भुडंविश्चुलठविवृद्धु ॥ ॐदेवदेवेश्वराय भभिमुद्धरनहुभं
डद्धुविडुचनेमभा ॥ यम्हलेद्धुनभयाश्वगश्चुडैलेहभहंहिशु
मुद्धुकुभभा ॥ ॐदेवदेवेश्वराय भभिमुद्धरवाकुभंडद्धुविडुचनेमभा

मु
हो
२७

यस्य जन्मलग्ने कुम्भभडिरवेणं पदस्थः ढक्तिंकुरदडेनागरपृ ॥ यस्य लग्ने क
लदेशपकरालमप्रराकुमंडङ्ख विड्डवृत्तेट्म ॥ यस्य जन्मलग्ने भव
सानेधुपदं ह्लोति: प्रजुदघिदमहूलके ॥ यस्य लग्ने कलादिमरा
दिक्रां प्रराकुमंडङ्ख विड्डचरोत्म ॥ यस्य जन्मलग्ने विभ्रमद्भुमापा
एंयमस्करांमापदांलारराभा ॥ यस्य मकद्रूतपकरालमप्र
राकुमंडङ्ख विड्ड चरोत्म ॥ यस्य जन्मलग्ने वेदविद्धेवद्ति भुमहूम
हूमगमिदुभङ्गः ॥ डङ्केगडेपेगागवभूमिहू: प्रराकुमंडङ्ख विड्ड

चरोत्मभा ॥ यस्य जन्मलग्ने हाविविरानदेडयस्करहाभ्रमप्रमुपर
मिदुभा ॥ मुपुरदडेयेनमद्भुकुर: भुः प्रराकुमंडङ्ख विड्ड चरोत्म
हेपः भ्रदभविद्धन्हलमष्टवज्रीरायया: भामिलमरमत्रि
विभूः ॥ केमुरवद्धनकजुन्हलवाङ्किगीली दगीदिरमपवप
वुडमङ्गमहू: ॥ भमङ्गमहूनविभन्हलमिद्धिडंजु मेमपंकतुम
रजुमकुडमा ॥ ठरुमिद्वहूडपरीपपुतिंभरेडमांपिङविद्धपलि
हूलभा ॥ मुपरः मरालंके मिहूमेवमरालंभप ॥ डम्भद्रमङ्घ

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ १० ॥
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३ ॥ श्री [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
१ ॥ [illegible] ॥ [illegible]

प्रज्ञा
२२

ठं तं देवं नमाम्यहं सूये ।।७।। वादये त्रिभुवनमीशं तं संमिश्रभ्रकृ
तः ।। मङ्गलं तं भयं भीषयं तं देवं नमाम्यहं सूये ।।८।। हृष्टं तं कदवीर
विहलावरं कुलवंतं विदभ ।। मत्रहवमायडं तं कुनः नमाम्यहं सूये ।।
९।। स्वकमक्लिविमुक्त देवः स्वकविडंकिल ।। तं डंवाङ्गिलेकेषु
देवं तं नमाम्यहं सूये ।।१०।। सयवर्द्धवलेकभूमितं द्युपवर्त्तिमा
मद्यं द्युवमभयं तं तं देवं नमाम्यहं सूये ।।११।। पीरं रक्तंपतं उत्तम
वर्द्धं पकमहयभ ।। रक्तं पद्मजतं यडं स्कन्दं नमाम्यहं सूये ।।१२।।

पद्मकिडिमयः सुकृतिकनः अवमयत्ककिकभ ।। सुडं ठं कृष्णपवर्तंम
नाम्यं तं कृपलसूरभ ।।१३।। उदयकुंभकलं विकुलं चंद्रवेदितं स
उदकृतंयभयभ ।। रडिषकुः अन्दमुः पत्रैगैविभक्तेयाडि
भायस्तुभमू ।।१४।। रक्तपद्मवरभिसिमुं वायपञ्चकृमुभभ ।।
गङ्गाधमभयक्तं गणवीवेदितं भवयेड ।।१५।। पडिसृकृमस्तुंपं
दकु स्फुलिकः भिडः ।। भवरोगाः स्फुरितिलुडाविमोह्नकृद
यः ।।१६।। ठगाड्डरमिवेरगिमुदवकृमद्युगीयडः ।। स्वेडतकुस्फुडी

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भुस्त्रकल्पद्रुमु द्यै वैश्रवणोल्पयभः ॥ वैद्रुडेरूंण्वमुम्प्रिरेद्रुवभुलभं ति
ण्डिः ॥ ण्दद्रुलोवेदकद्रुवेदक्ष्णुवैदद्दनः ॥ तडंडेड द्रुवक्रकतिः
भचभाक्षयः ॥ कल कद्रु चफद्रुस्त्रपहे भाभचङ्गमुद ॥ ऋद
भंवङ्गरेप्रुङ्कः कलम्यहेविठवभुः ॥ पृकृषः मान्द्रुडेघेगीहडेहक्षुः
भराडन ॥ लैकहद्रुः भगाहदे विमुकूभडभेङ्कः ॥ वक्राः भागवे
मभ्रुरलीभुडिलीवनेरिद ॥ द्रुडमथद्रुडपडिः भचद्रुडविधेविः
डः ॥ भधुभंवद्रुकेवफिः भजद्र्यिकरेप्रलः ॥ भ्ररतुःकपिलेठरः

कभडः भचडेभाषः ॥ स्त्रायेविश्लुभुवरकः भवण्डुविधेविडः ॥ भ
रः भुपल्लेद्रुडडिः सीभुदः क्ष्णरणराः ॥ णनुत्तमित्रुभुकेद्रुर
श्चिडेवेश्विडेः भुङः ॥ द्रुन्दमङ्कर विद्रदः पिडभड पिडभदः ॥
भुजद्रुरंवक्रुरंभेदद्रुरंङिविधुपभ ॥ येदद्रुद्रुपमाद्रुङ्गवि
द्रुङ्गविमुडभाषः ॥ भरभराङ्गभुङ्गङ्गभेइलावद्रुधाविडः ॥ प
डद्रुकीद्रुरीयभुभदभाभिडडेलभः ॥ रभाभभुडुमडंभरेलेकोभ
दङ्क ॥ मङ्कस्त्रराकः क्षणरद्रुभुप्रकप ॥ णिहद्रुणिभ्रिरः क्ष

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
२३ [illegible]
[illegible]
[illegible]

वि
म
४७

रिवभिरुगवदेवप्रदेवाय ॥ त्रिसुवनात्रयंगतेविष्णुमविवल्कपदुदु
र्णाभा ॥ सभजवदवंस्तयेद्भवविभेपमनुये ॥ द्रुफलेकाद्विदर
दुंसरादेरुगवाद्विपभ ॥ सधुदुद्दभरुपदेपरक्रुद्दनयेभ्रय ॥ नै
मिपनिमिषदेउदपयःमेरकदपः ॥ देवद्विशपभ्रम्फूपपदुस्नूपि
दनपदुदः ॥ टपपऊ१ः ॥ इफकुरुकरमभवपपदपदवड
विरदनेरजपभाविरजौज्ञैविरभापेः ॥ विरङ्लनैविरस्टनैविर
मेद्विपभिरदेः ॥ विरमाभ्रमभुदेसुकवभक्तिरवस्टड ॥ मी रस्व

उ वाम ॥ देवाद्विदेवदेवमःप्रिऊप्रपभिमङ्गुरः ॥ विष्णुभारद
यद्देवंलापद्मधपरयाः ॥ उद्भवेवरफपुःपचरुपरमेश्वरः
यदुवमभम्पुंङङ्कुवयमिभविभुरड ॥ केलभमिपरभी
देवदेवेलगधुरुभ ॥ सनिपदुभदप्रेवपदपुरुदभरि
यभ ॥ पवद्दवम ॥ रुगवंभुपरेदेवभ्रत्रङुःभवप्रलि
डः ॥ इन्निद्रभवपेदेवेदुकभुदपिकैगपि ॥ दउेलठउेभिड
मिद्रिंभववरपम ॥ इलद्भमुद्दुगाजिडःप्रपभुःभवचमउभिप

मरुपृथमिकिंध्रुपसिद्धिसुभभदरतुक ॥ उपस्तुतभिकभ्यदंतुसाति
लेप्रलिपुभरः ॥ किंवरुलपमिद्धेवेमपरोकेंकदतंदिपे ॥ पवगूह्व
द्रियडेभ्भिउडुंकवयभङ्ग ॥ भदस्वेवडवञ ॥ नेवंकभूपिक
वि । धिडंवेपवीयमिदंभभ ॥ किंउवहूपिडेरुदेवंठऊभिद्रियायिभे
भ । पुरभहत्वगेदेविविमुहूपडवेपिनः ॥ घनत्रिविष्णुभवेकंस्रव
५० भचेमुद्रेमुभ ॥ भ्रवात्रिपरभभंटक्रिभेदिकभविभिकीपरभ ॥
यनभग्नभैःभवेगद्धवज्ञेमवलिड ॥ रडंगडिंभपहत्रेविरठ

गवडज्ञन ॥ भद्गुयाढपिभंमृडुदेवविष्णुवदिद्राषः ॥ वेद्वैन्य
गन्धैः भिद्गुत्रैद्दिवविहङ्गुमेडभः ॥ विष्णुचंरठिगपुङ्कुक्रिकिंडज्ञंकिं
परेपदभ ॥ उलाभृपमारहुद्रमुभेणधिठिद्रोपैः ॥ वदाभी
ध्यगाधिउ्रीगभ्राधिठिश्रियै ॥ गयाभग्दुधिठिःपिहुवेदथ
नधिठिलपैः ॥ उपोठिदपाश्रियभेदभैक्रुडदयाधिठिः ॥ पुरुपुरु
नैःभद्वैवदैवलुमभेविडेः ॥ स्रुरण्राधिठिभ्यटचरिडेलङ्ग
द्धठिः ॥ नयात्रिडद्रंमेयेविष्णुभवेमुद्रेमुभा ॥ भवठवेरनािद्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि. मं. ४० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ते [illegible]
[illegible]
[illegible]
लया [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि · भ · ४७

उष्णंच प्रविष्टः पृष्टं कथं वदते ॥ उवाच कथयतु देवेन सर्वार्थसिद्धि पद्मराज ॥ श्री
कगुवत्तुवम ॥ मनरसमनमहेश्वर वंमहद्दवहना ॥ उद्दपत्रदि
वंगम्भ अचैव्र दंयमीकुमि ॥ श्री म दद्देवउवम ॥ उमेवउमभि
ड्रंत्वम्भिम्भिमिवितुये ॥ उरद्विउीवभदिमलगाहुहोम्बिमवडि ॥
श्रीमवदुवम ॥ उदेकथयदेवेमयवदभिमक्र ॥ अचेमुगीति
दामउवमृंमन्दमीरठे ॥ श्री म दद्देवुउवम ॥ मपुमाउह्रयाफ
भुविभ्रेंठगवडःरठेः ॥ रम्ने मद मं वंहम्भिभाददेलेहमाजिभा ॥ ः

मधुमीवमद्देवनमभदमभ्रु श्रीमदद्देवठपिरन्नम्रात्कदः ॥
मीदद्धःमधमज्ज्मदेवड ॥ रम्भ वेनीलाभ ॥ दरिमज्ञिः ॥ श्रीविद्धु
शीहदंलमेविनियोगः ॥ त्रिनमेरव यज्यवप्रकधयमदद्दने ॥ वि
मुकुमदुप्तिक्क्रुयमद दंमयणीमदि ॥ म व हुं मः समद्देवःपरं
हृद्धेडिमक्क्भ्रुहृं नमः ॥ भुलरजडिरवडउडिउलाहीहृं नमः ॥ मद
वर्णदेवल्लभ्रुव्रमेमरडउिमिहमहृं नमः ॥ भुदवंमड्रलेमभडहृमि
कहृं नमः ॥ हृद्मादिकष्टलालिदलमदम्मुदमेधवडउिकवि धुक

वि· म· ५३

हूं नमः ॥ ओं क्रां ज्ञापड्डि ङ्मेषदि ह्रभुड डिकाय स्तनघ्रु हूं नमः ॥ ओं
डिकाय हूं नमः ॥ ओं खषखरङ्ग हूं नमः ॥ नमुठेवः षरे श्रीं ङिह्वदपाय
नमः ॥ ओं मलरक्तङिङ्गन चडे डिलिनि मेभ्रूद ॥ ओं मदवदि दियहूं स्वे
मरडडिलिपायै वषल ॥ ओं मदवें मरव तों गमङ डिकुवमायकूमा
ह्रक्तपिकाभुला लिहूनगमसृद मेमवड डिनिश हूं वेषल ॥ ओं ज्ञा
ज्ञापड्डि ङमेषदि हृभुड हृभु यदल ॥ ओं डिषक्ष हूं नमः ॥ ओं खषह्र
नमः ॥ विविच्छुंठशुक्लिं गीं ल्क्ष्म्दवलयगल कस्पदर्कोणमाड्डि वें

श्रीकुचं मवदेमनिमकरमल उडुंलनुमड्डि ङ्ग्म मा ॥ ओं हृक्षृ
मकृमुलगदमलं पीडकों मेयवमे ह्रिड्ङ्कं भूमाह्वद्दिरकरम
मनं पद्मं शंर्नमामि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ डिवमुठेवः परं श्रृक्रा
मम्हुपरहृदः ॥ परंणम परंहृं डिः परंडकुं परं पडमा ॥ परः शिवः
परिष्टेयः परेह्लवंपरगाडिः ॥ परमक्रः परंमेयः परावकः परेस्पः
परिष्ठकृपरं हेमपगहु परमेमुकः ॥ विगमयेविचिकवेविविकन्तु
विगमृयः ॥ विमह्णवें विगलमवे विद्वेपे विगवगूढः ॥ विमुन्ने विक्षलेरव

वि
अ
५२

ठयेपित्रैमलेशुडः ॥ षडीद्विविमिडेषारेनीमेवीदिहयेवेदघः ॥ मवल्गुः
मचगाः मचः मचढः मचठवरः ॥ मचमा भुमचमारी प्रहृः मचवृ
मचम्रुकः ॥ मचमक्तिः मचमारः मचाह्नमचडेभापः ॥ मचवमाः म
वद्धपः मचविः मचवृ:ापद ॥ मचाः मचडेठदः मचकरा कव
मा ॥ मचडिमायकः मचाष्टदः मचेसुरेश्वरः ॥ षड्डिंमकेमदवि
क्षुद्मदपुहिमदहविः ॥ विहेद्विडेविहयद्भुविहरवढः मचडनः ॥ मा
यपडिदिगपडिः केवल्हपडिरांद्धढः ॥ लान्मद्भुलारडीडः कलाडी

डेठवडिगः ॥ प्रहः महः मुहुश्चहुश्चञ्लोविहमिचघः ॥ येगिरिवेय
गाभयेठवद्धैकमेयकः ॥ मग मदपः मठञ्चौडर्हः मदपेडमः ॥ वे
मङुवेडेदल्लुयः ॥ डपद्रुयविवालिडः ॥ वक्रविहमृयेनहः श्वयकमः
भ्रुयेरढः ॥ मवेपेयडदभीरः प्र वः मचडः मभः ॥ मचानवडे
मघृपमुगीयभुमभः मरः ॥ क्रूण भु मचमंक्लिडुवड्डेरेगोमदडिगः
मक्कुड्ड मचदरः कलः मचठयक्कूरः ॥ पवहल्लुडुः मचगडिः मदहदे
मूरमचढः ॥ मुलमदडिरावढः मक्लूर्वेविश्रमेदर्हः ॥ मदमापविश्रः

नी

वीलंधरसमक्ति: अपेकरुत्तुः ॥ भवकश्चैरत्नमीलः भवत्तुङ्गवसङ्कः ॥ मुनिर
त्तुः भवलीवैद्दवीकेमेभरम्दडि: ॥ विकपाण्डिशिवेदंभेदरः भववि
लकः ॥ इकण्ठलेस्रुरः भवद्दुडद्दुद्देदायकः ॥ हेडड्गुः पदडिम्रुभी
भदपेविम्रुभडपडड ॥ मुत्तुदभीद्दिलभतुः भद्दीद्दिगुलवैम्रुरः ॥ वैगग
भुः पद्मनरुः मेघमयीशिवः पडिः ॥ म्रीभडेभम्नुपम्नुभैरत्तमीः म्री
विकेडनः ॥ विद्देवरुः भुलभुम्रीः मीविडिः मीपरिदतिः ॥ वज्रमीदिम्र
लमीदेविम्रुः द्दीगद्दिमद्दिरः ॥ केभुठेद्दुभिडेरम्रुभापवेलागपडि

वि ·
म ·
५५

द ॥ मीवङ्कवक्र किभीमकनृ गुण कलारभा ॥ पीडभुवैलगत्रवैला
गङ्गडलागाद्दिड ॥ लागङ्गवङ्कुलगङ्गधुलागमुडलागात्रिति: ॥ लागदे
कण्डासृवीदेप्देवसलीलागन्धयः ॥ भवसुदमयः भवमिद्दुकः भववी
गलिडा ॥ भवभेभिद्दभेइकद्र द्दुङ्कुमुपेडनः ॥ मस्ते: पिडभदेइ
कपिडमद्दद्दुपीमुरः ॥ भवदेवशिवः भवदेवपुत्रिरत्नमः ॥ भवदे
देकमगल भवदेवैकदेवडमा ॥ यज्ञङ्कयज्ञदलदेयज्ञेमेयज्ञ
हवनः ॥ यज्ञइडयज्ञभा व्रतमसीक्षिलशिपः ॥ त्रिलोकनदे

विभ्रकुलदेवैभगरुडः ॥ भवदध्रुरुद्रश्च महाकालवृषध्वजः ॥ भयु
लेकैकलाञ्छः भयलेकैकमङ्गला ॥ सद्धिर्मेघस्वरुद्रश्च शीसकृत
उगणधरः ॥ महाकुहरचक्रीपद्मपालिजनकवादरः ॥ पृथिवीश्च
यः भवयक्षप्रभुलेलेऽपरवरः ॥ पवरुकी उरिभीमपिकर्षः भवमधु
लः ॥ भद्रकोऽपि प्रजीकमेघमकोऽपि दशभद्रः ॥ इक्षुकोऽपि लागणभूरु
वपुकोऽपि भद्रकलः ॥ कोलीहलगणचक्रीमधुकोऽपि भद्रेश्वरः ॥ उ
वेदकोऽपि लक्षीवच्छत्रकोऽपिविलभवन ॥ कच्छदकोऽपिलवदेशनः

केतुर्मिलदरः ॥ भभद्रकोऽपि गन्धीरुभीजकोऽपि भभकुपः ॥ दिभव
द्वैतविष्कम्भः कोऽपि इक्षुकर्ण विगद्धः ॥ केदुहभेणभपश्चिमयक्षकोऽपि
भगवनरः ॥ भण कोऽपि श्रभृतदेवः कभकः कोऽपि कम्भदः ॥ इक्षुविह
कोऽपि क्रुपाः सिपिविधुः मुनिप्रवरः ॥ विश्वगम्भीगणपदः प्रदम
वागकीरुरः ॥ पुष्टिदेवैलागकौ इभक्रुद्धः कलवेभिद ॥ वेदाद्वैतरु
भदन्तभदयेगीसुरेन्द्रवः ॥ विरुद्धदेलभद्रवेनिःमद्वेत्रकरुकः ॥
मीनवाक्यकमरलविश्वेकम्भभवपदः ॥ लागरूपदर्शे विहवा

वि:
अ:
५१

लः भट्टारकः ॥ येगीश्वरः भट्टेन्द्री [illegible] वाविवालिङः ॥ श्रीदेवी
विश्वेश्वरः [illegible] ॥ मह [illegible] सम्भु [illegible] भगः
श्रुद [illegible] विश्वकेशभवभूपगः ॥ [illegible] विश्वेश्व
रुरः ॥ विश्वे [illegible] भट्टेश [illegible] ॥ वश्म [illegible] विश्व
विश्वदेवः [illegible] ॥ भवमेघः [illegible] ॥ भव
लक्ष [illegible] भवदैत्य [illegible] ॥ भभभुदेवभ [illegible] भवदैवस
यकः ॥ भभभुदेव [illegible] ॥ भभभुदेवकवयं भव

देवसिरिभ [illegible] ॥ भभभुठवठि [illegible] ॥ विक्रः भव
[illegible] ॥ भवदेव [illegible]
कः ॥ [illegible] ॥ विश [illegible] गपीरः
भुरः [illegible] ॥ [illegible] ॥ भ
[illegible] ॥ [illegible]
भुः [illegible] ॥ [illegible] कपिः ॥ भद [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ रा

[illegible]
[illegible]
[illegible] ३...

ऽघण्टिभल्लिकेमः अचवेगविनिम्बडः ॥ वेदभार्गवपट्टभारः भभभारभु
पेतिपिः ॥ भद्रः स्वेभुः प्रगाढ्दि विम्बुमात्तिः पराघाभा ॥ सिवडिस्कुल
विश्वेभी श्रीकुक्षे कवररदः ॥ ररः ह्मुद्रविवद्रद्भवेणङ्गलीवरः ॥ पु
दिकपुभवभेष्टः अचभ्रीरङ्गदद ॥ डिकलसिडकदददउचमीभ
वि · भ · ४५ क्षेस्रवः ॥ पुष्टुः विदवगीवः अचवगीस्रवेस्रवः ॥ भवदेवभयेडङ
गुरुचगीस्रवां पडिः ॥ प्रतपुविष्टरठवेभ्नविष्टरवतुकः ॥ भचङ्ग
ढेलागङ्ग्रहुरमरेभपभुपरः ॥ मरेकभतुकेलीमः मह्लइक्षैकपागः

पुदिविष्णुवेदकतुवेदद्रुमडिभगवः ॥ शङ्करवेददरा ः भ
चविह्लरलाहृषुः ॥ विष्टुरालिङ्गरथडिङ्कुरमितुरापङ्गणीः ॥ भ
ह्रुष्टेवेभदकङ्केलगगुलवदिइरुड ॥ लीलहृपुपिलब्देणिष्ठ
पुद्वेमरवपुकः ॥ पुदिकुदेपिलपरः ह्रालीहृडलगगद्रुरः ॥ पुभ
गीतडदेवेभः पीपुवेदडिकराभा ॥ पुद्गणरेणरणवेयह्लङ्गेण
ल्लीणरः ॥ दिरास्युदुदरः पद्मी पडिः मह्नपुदिकरलकः ॥ भभभुः
पिष्ठकीडिभुः भभभुपिढलीवनभा ॥ दहकहैककुगुहकहैक

ठनद्यकः ॥ लेभतुल्लीरल्लतिः द्वेद्धिडमेघभगवः ॥ भदवदे
यल्लभ्रवेभरेयल्लिकस्रपः ॥ रवमिदेद्धिहमिंदः भव विथुडिदः
तपद ॥ तकवीरिद्धुडरलेभत्रुयद्रैकदल्लकः ॥ ढक्रद्धिदः भदल्लेडि
दगतुगूडिठीथ॰॰ः ॥ केटिवङ्टिकनापेलगङ्दे हुप्रडिप्रग ॥
भङ्घमङ्गरमघवेभदभङ्गगल्लेभ्रुरः ॥ घुमिङुभेभवीदङ्कुः भम
भुभवभभ्रदवः ॥ दिरदकामिपुस्कुनीकलभक्कदल्लीपडिः ॥ कड
त्रुबदनः भक्तुः भमभुठयरमनः ॥ भचविभ्रतुकः भचमिद्धिदः भ

वि· म· ४७

वप्रकः ॥ भभभुभङकवंभी मिकुभत्रुटिककयः ॥ ठेरवेमेदगत्रु
भ्रः कलकेतिद्वरभतः ॥ ठेडुगठुथ विरभभङ्गगनुङ्क दगलि
डः ॥ भङुडभइपिलइडकुडकुपेभदनविः ॥ ढक्रमदमिरः भुडी
दिदलेवदहुथ॰॰ः ॥ द्रुम्दमकुमिरेदभदह्वमीठेकतप्रवः ॥
वेगिरीगभुगिरिल्डुडुठेरवडलकः ॥ वीरयडीवुदद्रुगुयभाः
कलमभुवः ॥ द्वेपेभुवेनहुम्यड्लीपरिवरदिमडुकुक ॥ भचवुद्धे
भङुभङ्कुकलभङ्गिवतुकः ॥ घभाङ्भचरोगभ्रः भेचदनदभङु

वि
म
१०

तत॥ गणेशकेतिच्छदर्शेदः भद्रमेघगेहद॥ देवदनवक्त्रवेदेलाग
स्तुपदशीधल्लः॥ ममभुक्तनडिदुडलागक्तुदकठदकः॥ डशेमेधु
रमाह्वरः कलभुधकठदकः॥ मुरतृघुण्डेदङ्केदमिंदेवीस्तक्तलि
ड॥ योगिनीमरूगुडेमः मक्तृरिपमुभंभकुका॥ नद्देशगदामेभ्र
ज्ञामक्तुरवादरः॥ मेषक्षामिवडडमधुमज्ञिभदम्स्तुका॥ डलभी
वज्ञठेवीरभंवाम गेपिलेधुदः॥ भदमिवः मवक्षठैवैकक
पालफड॥ गिज्ञीमेडेम्रकुक्तदिक्षेभदरक्षानदग॥ गोगीमेठ
मी

शुक्तेभाधविठिक्वपठपाभदः॥ शुक्रडेलेमवेशुकशीमवक्तुडपी
मपः॥ महक्तदेवलिङ्गभीवमवेमिडिदःपद॥ डभेक्तेपडिवि
लकभूपत्रुवभन्नमा॥ वलिभुगस्तुदःभवदेवविरत्रुदेसु
डः॥ उदरूमभीजमदभिपदकुडिविरूमः॥ हेमपादःअुपादन्नं
विडिडलागडुपः॥ शुक्तेमाक्तुठिवक्षुडिकूडणमडिणवरः॥
धमिकूक्तडविभुवविकुवदेभदवलः॥ गक्षुवापगक्षक्किक्तुड
धज्ञीमिरेकंदरः॥ पापडमुःभदभुदंदेहमाविहापक्तुरः॥ ७॥

इपिलदेवमेविश्वगैकवङग्लन्दङ ॥ भुभयविङठङुदुकविङ
भल्लि:भद ॥ नवद:कङ्गुवीदद्धिरलाज्ञुपुङेवभ: ॥ विशुमुदेपि
इमारिद्धिङङ्गीयिभनेमुर: ॥ भवमक्लिभदश्रिपुविगवडुभदेमद:
भनभेदुरिडेलोहृदुरभाभ्डङपद्धा: ॥ ववभुपुगठाइँडेगभेदः
दलमृद: ॥ लाभदयिश्चिजल्दिहुेदकद्युकदेदनङ ॥ भापदटे
द्धिरिलेपः भृकुदलिद्धिरलाजाद: ॥ भवदङ्गुदभूचलादुदकङ
वीदलिङ ॥ भङ्गीपवनीदङमिवामादयम:पृद: ॥ ठीभ:पवङ्गु

वि॰ म॰
८०

इभमुमिवमादेकविमुकु: ॥ मिवापिलद्गुकेमेठीधमादेपि
देवड: ॥ दैउमादमुदविम्बलैइणड्वादङ्गुलिङ ॥ वद्दिङीपङ
पेभुडिभुकुपदेकदद्धि— : ॥ भङ:मेभुभङभेङुदनीयद्धुथठे
विरगल ॥ मुदिराकद्धिङिपिङ भवङ्गेकद्देदनङ ॥ पवुलम
हेकदहे गीमीकीङिभुवंकङ: ॥ लागद्युङिरमुरवङिमेभुङु
यभुपङ ॥ भुदवंमगुलोभैगभव:भद्युउल्लव: ॥ कङुदेवी
लागदगलिपदुवगडुर: ॥ निहभ्रभामव:भवठद्गदीङुठे
भरकलिमदिरमृ
कावठुरिवक्ष: । वक्षमभालिपक्षं
कङवगुमवङक:

वि
भं
७३

क्षयक || नरगङ्गेङ्गङ्गरहेण्दस्टेदेभदतिरतिः || अथवेघुमयः अथ
मभ्रुंभृगृभवीदवन || लागद्रुमीप्नमगविः अथगङ्गमृघेत्पः
ममभुण्दमुः अथचण्दद्रुघुपिलङ्गिहड || पठीद्रेद्घनविद्रुन
पगदुव्रवदभप्रुतिः || अथरनद्धः मिद्धेत्धुदस्मेकडुनउलेः
पिङङ्लुद्गड्रुभभ्रुदृः अपङ्गेटयविद्घुय || गुदद्मापदिउभुदः मि
वम्बेवलालएगः || पिङ्गुहुएचुवङ्गुदिलगदीमेवनुयनः || पुवदु
मेभमवनभेमुमेवेद्घुडनयापिंन || वेफेमुदिनउपीकभनीमप्रवि

गण्दन || इफमपदङमेवदान्द्रुकगटपवनः || पदुद्वमभदर्भ
पुगदेभ्रुकमगेकनडः || पगगिमिभ्रुमिन्दद्रुद्रुपप्रेलनद्गुनः
लगपृवेपिगाडिमेगभ्रुभचभ्रुपइवाल || नीलाण्डवद्धुदपभुद्
भृदभ्रिभदमवः || भउङलहण्दद्रुमुभुपडलपाववः || भुग्री
वरलुडेदीरेभरभैवनधप्ढः || दवमदुदुभाएमः ममभुकपि
मेदहुड || भनगमेद्घुल्लेकद्धडुलीदडभगारः || भद्रेमुकोपि
दल्लेकमुकविद्धुमगारः || भमदद्धुउपचैकवदमेउदमतिरतिः

सुभाष्टभाण्केलक्ष्मसुलेक्ष्णद्वष्ठिग्ना: ॥ व्रकमृत्युमानाक्ष्णवृत्ये
नसुत्तलनत्तुन: ॥ रावल्मिष: ५दभुक्तिक्कुकलक्षिमृगदा ॥ ग
वल्मकमिवक्तुतुतिःसक्केदैकराहृष्टद: ॥ शेनभुनवृविस्कुमीयवे
द्वतिद्धदरा: ॥ गदेवेवरुत्कृसण्मदेवप्य: ५कृष्णुड: ॥ नक्ष्मिशइ
वि॰ भं॰ ७३ ममाक्षृविद्धुगाक्षुविनीष्ठा: ॥ भुण्डक्षुमिनुडमयपभुमेद्रेक्षीव
नैकतउ ॥ वेवरुकृराभैकण्डमचुभराक्षिड: ॥ दकुसुदेद्रुम
जुम्दिवक्तृदिडमडीप्रिय: ॥ सुपेष्टापिलगाक्षृ:मचकृडमनेद

ऽ: ॥ अष्टउत्रवागव्यक्षेदीनैद्धद्धकमद्विष: ॥ श्रुमक्षुव्द्विपद्यवी
दीनक्षिकमाण्क: ॥ वण्हृणनुपिडदक्कुरकेपिलउन्नृदउ ॥
पचष्टिकमकुद्धरिप्राट्टुत्रु:भदगनिलिड ॥ भाडुक्षुमलवक्षु
मेद्दृश्विडडेपगलिड: ॥ केमलेद्वैवीत्रव्रक्ष:मद्दगद्धकुमेद
ऽ: ॥ मराभक्षुनतिवुडण्वल्लीमफलेरयप: ॥ दक्नदिकनृमाक्षिष्ट
भगवीतडवेवड: ॥ दकुलैकतुमकुलाड्मेवघल्मिमाक्षुप: ॥
भुत्रीडराडठक्षुविक्षिगयेष्टवनैकेतउ ॥ गमकिडीष:मेपि

वि· भ·
७२

ह्रिलङ्घ[illegible]: रदकेत्रलिङ्ग ॥ विष्णुतत्त्वं सम्भाद्रि[illegible]कस्यानिच्छ्रुतः
तदेभक्त्वा गत्वा च के[illegible]लवा[illegible]रूकः ॥ मङ्गले वे[illegible]युचेवनाठे
षपीपडिः ॥ विष्णुभडकरेण नुत्वा विदलो[illegible]नागम्बुरः ॥ भुदविम्भः भ
रम्लीवेदढि[illegible]सेद्रि[illegible]रयः ॥ [illegible]भवापडेमाकुः मेध[illegible]भ
पिडभरः ॥ विष्णुगमेधनस्य भुमिरक्षे[illegible]दहजडिः ॥ वरालेय
पिरभगिवेदणद्व[illegible]: ॥ सेडद्रीपपडिः भाङ्गु[illegible]डभवमि
ढिराल ॥ विष्णुरकमविष्णुरयेगभेदङभिभृद ॥ येगाभ्रुभीस्यनक्ष
दवकृष्ण[illegible]:
[illegible]: कञभङ्ग[illegible]:

भगारदूलतम्भदवङ ॥ तदेकवेदभरतीपडिः मुष्णुहविडः ॥ म
ङ्गुहि[illegible]देकर्मदविष्णुवेडद: ॥ तद्रुमभुलिडभेद्व[illegible]डव
भीभभनुपः ॥ भदयरवलविष्णुकद्रिडीयेपिलरगाल ॥ मेषदे
दःभदभ[illegible]: भदभभुमिरेतुलः ॥ [illegible]भलि[illegible]कारयेलिङ
[illegible]डिः ॥ कलाविदद्दुलरकेभमलाभेदलायुतः ॥ वीलः
[illegible]वेवदाली सेभरेवक्रुयदेवद ॥ [illegible]भतृषभ[illegible]भाइपाडिडेकय
सरतः ॥ वलिभंयभरेभरेरेदिल्यः रलभुद ॥ भक्ष्मिकयेद्रिवि

पदं कलिंदीतटचरैवलः ॥ रेवतीरमणः प्रचंडक्रीडामृदुस्वलः
देवकीवसुदेवप्रकटप्रद्युम्नजनकः ॥ वसुदेवः श्रीमान् सुदर्शनधरो
ऽनिरुद्धकुलेन्द्रः ॥ रणरंगदर्पारिक्रमहर्षविवर्धनः ॥ श्रृंगारि
कलीलाविदग्धमुद्रांकितः ॥ पुत्रप्रियः सकलमोहनमूर्ति
रंगनाथः ॥ दशभुजाः केशिमथनो वकासुरनिबर्हणः ॥ पंचजन्य
धरो वैकुंठवासः ॥ कालीयमर्दनः मधुगोपगोपीलसुंदरि
यः ॥ लीलागोवर्धनधरो गोविंदो गोकुलेंद्रः ॥ श्रीविष्णुमर्दनः कंसनि

वि· भ·
७५

दुगोपीविमुक्तिदः ॥ अक्रूरकुवलयापीडहाऽऽजीवनगुणमर्दनः ॥ कं
सारिर्नृसिंहाद्रिवृन्दावनविहारः ॥ श्रीगोवर्धनकृष्णलोकैकनाथ
कुलांतकः ॥ हंसहंसगतामयोदधिमथनपद्मनाभः ॥ मायाधीपतिर्भ
क्तपालकलावृंदावनविहारः ॥ समस्तवांछितदायकपापध्वंसक
रतुष्टः ॥ दक्षिणामूर्तिः श्रीमान् भवरोगनाशकः ॥ समस्तभुवनात्मक
कर्तृत्वभागवतजनप्रियः ॥ एकाकिनीगोपीकृष्णप्रियः कृपालुः
देवेंद्रदर्पकंदर्पकुलहरः कुंडलः ॥ वासुदेवमधुसूदनश्रीवत्स

७५

वि॰
भ॰

दिगात्कोटिलिङ ॥ लीलालिङमदद्धेवेभदद्धेवैकपुलिङः ॥ उद्
गङ्गानविङ्कलायदः पञ्चवैकपद्ध ॥ कमिलालमिरम्नु इङदम
द्रैकमद्यनः ॥ विश्वम्नरभदह्नद्वमिरलभद्धनः ॥ मकुरङ्कि
विश्वभीकमीविद्यगुरायकः ॥ कमीमगात्कोटिप्येलेकमिदद्वि
एवकः ॥ प्रवत्रीशङ्गेवम्नुः पगमिववरद्धः ॥ मक्केकरद्भिपुप
द्धेममकूरपुलकः ॥ मिवकृत्शङपङिःनप्रक्रामिवाविद ॥ भेद
लेद्धीवनमेनीशङ्धेवलविद्द ॥ भणभभमगुद्धेकनिक्षलयवने

धुलङ ॥ यभरभद्धिमाबीङपविलीनङ्गिपङ्कः ॥ मीपभरङ्कलङ्ग
गङ्गरनीङेद्धवैभ्रः ॥ मध्यभिमुपलादिभक्तिदेशुपकेशुवः ॥ शु
लपलादिकरपस्नुरकविठिकोलिलिङ ॥ पङ्गरङ्कुवपाटेकठ
डसुमकुवभक्तिदः ॥ भवलभीमलन्हीदभडवापीनडत्वः ॥ द्र
कभुदपुगह्नभुपमीदिद्धीवनैकलुग ॥ पविलीनङ्गिपाभडनीड
लनभेदपहः ॥ क्रमठभङनदिद्विभुठीपदूहापिलकोरदः ॥ पन
मापल्लिङमेघपद्विद्दभुः पङमेदहिङ ॥ गहमापङ्कलनवभुयाम

वि॰ भ॰ ७१

वेतीष्ठच्छदः ॥ ल्गग्हूणविगाङ्किदः मधुकभद्रपिलेभुदः ॥ कमचे
वेरडिपडिद्मदषः मधुवातुकः ॥ पुन्नागो लिङगोगीमेगडिकतुः भचे
ष्मिडः ॥ ऋष्येधुचिमुविलायीभ्दरः कमेमुगीरियः ॥ डधपडिचि
मुपडिविमुडउोण्डिकषः ॥ मडुगद्मपउचल्मुडडगविणपकः
मडुद्वैकविमुद्मभचेहूर्भुमकेण्डिः ॥ पधुदमयग दिष्ट
भःमापभदभूनड ॥ भदतुरडनिद्मडकवोडेवमयायः
नधुद्वेपपतःभचभूकधकैकवणकः ॥ वेयतुकडुकेक्षफकः

पदिपृयवेदनकृ
मद्वर्विदमेनद्वः

भकवंमदड ॥ बहुपुत्रलिकमेधुदेवदेवेलगाडियः ॥ निगधुप
रूगाडुकृः मीभवे दधुमेदरः ॥ पिचुदेवदारुदिक्कुउ वेदडमूडिगा
कः ॥ मेदुद्मनिवुधुम्पिधुभापदः भदभइडिः ॥ यद्यपे पिलद
पः भचक्षुर्हेपिलेभुकः ॥ मडुधुरिपदवडेडूद्धपचनिडमुवः ॥
पधात्कमूडिमनेमः पधाकमूडिगोपकः ॥ केक्लोविक्षुपमःभइः
कलिकलविलेपकः ॥ भभभुस्नेक्कुसुधुषःभचसिधुद्विलडिद
ड ॥ भहरवतुकेद्धेवद्विगणीदरुणपदः ॥ पचवगविवेवतुः

वि·
म·
७३

पञ्चीदत्तडिरामरः ॥ मंडूकः [illegible] मेघनादकः ॥ पत्र
उत्सृष्टगोकर्णदेशप्रत्यङ्गिलद्विलः ॥ [illegible] विश्रव
मृगाप्यश्वरणः ॥ [illegible] कच्छपः [illegible] ॥ [illegible] मूढः
[illegible] भगीमिलनकगन्मी ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] विभुत्वः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ विश्व [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] कपिलः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

वि ·
भ ·
७७

त्रग्तिभूतः महद्गुणः ॥ त्रिगुणात्मकः सर्वभूमाश्रदिक्षमःपिंड ॥
पिंडेश्वरो गोरक्षो रत्नगोरक्षो वासकि त्रिवक्त्रपः ॥ वालेश्वरः पूर्णो भूत्वाः करण
गृहेनमः ॥ ० · · · ॥ ज्ञानदृष्टि सर्वभूतेषु विद्युत्प्रभ सर्वदर्शकाय ॥
सर्वत्वभावनमः नित्यं पूर्वं तत्र विविक्तनमः ॥ सुखदायक ज्ञानलोकदर्शनमयम्
नेकमाण नमः ॥ विश्वलोकैकमेयात्मसर्वरूपा पविन्नमः नमः ॥ भूत
भूत्वा पमहत्तः पर्वतेश्वरा सर्वकर्माः ॥ कर्मदुरीण दिविः सेवधम्
मलविमोचनमः ॥ सात्त्विकं पावनं ज्ञानं भवपाशछिन्नमपि ॥ भवे धं

पूर्णविन्नमः सुभवदर्शीभूत्वा पुद्धलक्षणमः सर्वसुविधुसमर्पं मचामिपुवि
नमस्नमः ॥ धर्मकृः परमसमर्पें ओश्वराणिकूटमनमः ॥ धर्मदृष्टिपदं
गुरुरूपं नमणश्रुयसर्वज्ञनमः ॥ सर्वैश्वर्यदलक्षं सर्वसिद्धिपं सर्वकर्मफल
ओंजयसत्त्वरूपं नरत्नकेत्तिदलक्षणमः ॥ लागगतूर्णस्वमसर्वसमर्च
विद्युत्पकमः ॥ राज्यदं ज्ञानराज्यंगोगगोत्रसर्वं गंगवड ॥ वत्रूरं
भक्तदं सर्वज्ञप्रकाशी तं कालीविद्यालक्षणमः ॥ कुटुम्बविधर्मं सिद्धदीक्षा
वित्तकमः ॥ सप्तरत्नं सदाभयपूर्णं पञ्चप्रसन्नं यज्ञाप्तेन ॥ सर्वदक्ष

प:

वि
म
१०

पितावेदः मन्त्रमन्त्रप्रकेतिमः ॥ ... मामूर्द्धा यः सुतः सूर्यः पर-
मं यत् ॥ यमूर्त्तं सकलं सूक्ष्मं परं परं परमं विष्णुं ॥ यस्मिन् सिद्धिमिदं सर्व-
मिदं भवत् पिता ॥ मिथ्या वेदवैदेहः सर्वपः सर्वकर्ममयम् ॥ यदेव
देवानां परं ब्रह्म सर्वगं मिथ्ये ॥ न वैष्णवात् परं किंचित् विकल्पेभ्यः परं
वे ॥ सत्यं सत्यं हि वदामि विष्णुभक्तिः स्मृता ॥ देवं यं सर्वमिदं यम्
सर्वदा सर्वमयः ॥ सर्वभूतेषु यं सर्वं पश्यन्ति यम् अभः ॥ कर्म स
महः सकलं परं परमेश्वरं ॥ लोकत्रयं सर्वं वैभवं परं वि

रक्षति ॥ त्रिदेवेषु वेदेषु वेदान्तेषु च विष्णुरेव विद्यते ॥ नहि विष्णोः परं तत्त्वं
नहि विष्णोः परं पदम् ॥ नहि विष्णोः परं ज्ञानं नहि मे देवमवैष्णवम्
नहि विष्णोः परं भूतं नहि विष्णोः परं तपः ॥ नहि विष्णोः परं सत्यं नहि
मन्त्रमवैष्णवम् ॥ किं तस्य बहुभिर्मन्त्रैः शास्त्रैः किं बहुविस्तरैः ॥ वा-
जपेयसहस्रैर्वा भक्तिर्यस्य जनार्दने ॥ सर्वतीर्थमयो विष्णुः सर्व-
शास्त्रमयः प्रभुः ॥ सर्वक्रतुमयो विष्णुः सत्यं सत्यं वदाम्यहम् ॥ ब्रह्मा-
दिस्तम्बपर्यन्तं सर्वं विष्णुमयं जगत् ॥ इति ... चतुर्थोऽध्यायः ॥ ...

वि॰
म॰
१०

गन्दीडम्भिन्दडगम्भिलागडुढे ॥ यन्दवेदंक्रूडंभुईदुदन्भुंभमदल
कभ ॥ मदेवडभदक्कुंभमभुभावडेदर्ते ॥ विष्णुभनेपिभवेमेप्र
स्ठः त्रिष्ट्रिभंभडे ॥ यभन्डिशूलागड्रवेभदेमेपिन्डिगभुवः ॥ ल
लीकभद्रलिडुन्नभुपभ्रीवीहुडेलाने: ॥ डडेणिकेभिकेदेवेलद्वीक
डुम्भवड्रिभः ॥ यडडुंभिडुडेनिटंद्रुयवेगेड्रोऽन्दि ॥ डडः भवंकिभ
णिकंभरेभ्रीयन्दवेडभड ॥ डभवड्रुयकंप्रखठलात्रिह्नवभनिरः ॥
भविडभ्भिद्रुयनवभिरेयवडयभीभ्रूरः ॥ रकमिडेनेभयभ्भड्रुन्द
मि

हृत्भिद्रूमडुयः ॥ यदेभवेमुगेविष्णुः भवदेवेडभेडुभः ॥ ठवभदि
पुत्रद्रुन्हे: भभाद्रूडववीहृडे ॥ भदीयभंभयभ नद्वंठलाभरठ
लात्रिये ॥ द्विधुडेपिडवभभ नुपेहृत्रेदभत्रिडः ॥ भयान्दिवत्रे
भुपिडुः रर: भंभुड्रुकडिडः ॥ मः पाभमङ्ग: भपेभुंभिवभाराहु
वेपडः ॥ डयभंविदिडढिभुक्कडिठिह्रुवभन्दयः ॥ विलभत्रिभ
मद्रहुः भभकभ्भिद्रुवडुवः ॥ डयाविरङ्गोदेवढंवैभदंकागिरुद
भचेठवत्रिलीवडुयडराभुवभंभ्भिडः ॥ डभडेवेवणघ्रमकमनेका

रकुरउः॥ कुडिङनंकनङनंउुडेवेगअभाणयः॥ आमनंअत्रभाटै
कभचलेकेकेनायक॥ रकुगकभलायभुभकुवअपिमक्क॥ प्र
वेकुडेनमेमेरक्रपेण्लवभन्दय॥ अचाक्रिमाधिवीदेअुरु
शुभदद्रनः॥ कभेरङुडुभेडिदेवव्येवरविक्रुर॥ वर्नुंमंमावडे
विरअहुविलीवरे॥ लणणडेङुवरङकुडेपाथेडक्वि[illegible]डः॥ र
शुलाददवब्लङुङ्रस्तंश्रुफनावय॥ कभाकुअक्तमिवुकुंउभवे
स्रुरछो॥ ढुमयवकुन्नाद्भुमकेनिपणिङुंनमेड॥ विक्तिःभदम

वि·
भ·
७३

रभैउकुकुंदंकवधछस्रुला॥ नभैकेरउपेरभ्रुडुकुलंक्षुदिमेरछो॥
श्रीभददेवडवाम॥ नभनाभेडिनाभेडिनमेनाभेमनेनोभे॥ भद
भक्ताभङुलुंकभ्भनाभवः[illegible]नेः॥ ॐत्रिश्रीपद्भप्रनालेडभम
देशुरभंवादेश्रीविक्लेनुभमदभूंअमाप्रभा॥ ॥८

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भं॰
भं॰
१२

यगगाङ्गविष्णुलरुद्रिरमु ॥ १ ॥ दिविवरुविवाभमभुवभेरर
केवरकरुकरकभभा ॥ पवणीरिङमारङगविद्वेयरतोङे
भरतोपिमित्रुयमि ॥ ५ ॥ भरभिलारयरेभमतुमर्द्दरूभरह्रिदि
भाविरभेदमित्रुरतुभा ॥ भापङाभपरेरलुङुलोरेदरियरा
भदरातोभडेरतुत्रुभा ॥ ७ ॥ भरुभेमद्वभरेविमित्रुवरुणाय
भीत्रिवंयाङरनभीरः स्ठवत्रिपापरिपवभ्रुभीररमीणरः ॥
ठुलभ्रेहपतीयरुद्रिभलरुशयभुरारयलंलेकभुहभराप

रेयरकरेभमभुकिंरक्रमः ॥ १० ॥ ठवलालठिभगारंमभुवंरिभु
रेयंकहभदमितिमेङेभभदगाःकङरहुभा ॥ भरमिराद्धमिटेवे
ङदकीरुद्रिरेकरकठिदिविधस्रुङरयिस्हवसुभा ॥ ११ ॥ ध
भुङेयेभयनपवरेभुङभेदेदिभलेमरावरुङरवभदलगूद
भहुरुलेय ॥ अंभरपेभदङिरालणिभस्कुङंरत्रिणभदयभु
लेवरमहुवङेठद्रिरवेरभीघ ॥ १२ ॥ वङुतूढठवस्ढरभभः
यामतुत्रिविचापतोमेयदयभमेवतोङलाल्डिङमूयःपदर

याच्छ्या || मेघः श्रीपतिरेव महाघनागमेकतुङ्गः आह्लादिनः स्वच्छ
सत्त्वविलीयमानस्तुकमिन्दुच्छलच्चलत्सु पूर्वः ||०३|| पञ्चशीरेक
गतः पर्यालिकविकः चलत्सुः स्फालितिस्तलयभुजलोतिः स्वमरंभरतु
तुङ्गरंगतुङ्गं भुजतुङ्गं रतः || जस्तुमान्स मिवाभरेस्वत्वभापः कीर्त्तः म
मभुः भवान्मुखे यदमतवकेविलापडेक्षुभा वतडवति ||०२||
सुभा यात्समिततुगत्वचस्थिडंतस्कुवतटत्वदे मेघस्कुस्तदलाति
पतुविणयः भचेत्फडंडमत्यति || ओजनाभवगादनानिमगला भ्र

रंविरायडुमकुत्वक्तेदमंभुडिंविलापडेमेत्कः भनारायुना ||०४||
सुरच्छगोविन्दभक्तुसगा भनारायणतुरतुनिरभयेडि || वक्तुंभमकेपि
नवत्रिकक्षित्यदेलानरं रहभनत्रमेत्तु ||०६|| दीमभागवडवक्तमी
कुत्वभावडगकिडमानभुतुये || हेगिहुग मघनीयमाथिरेभाण
वायभत्रविज्ञिवेरमः ||०७|| नावेश्रीपुत्रयडभेडिलागाडभेकाणिपे
येडभा भेहेस्वसुष्टपत्रभुरुडगिपरेनागयाले डिवुडि || येकंसिङ्कुक
धाणभंकडिपयग भेमभत्वडकंभेवयेभगेयाभदेवभदेत्र

श्री
११७

ष्ठवर्णकवयभा ॥ २८ ॥ देवेकः स्तवडरस्तुडिभवा हृदेमुक्ति
ह्रनिभं वेगङ्गः भस्मदाभिभरवेवंयङ्गस्वसुपथः ॥ मडुले
डिरभेयभेकभग्डत्यङ्गरस्मभीवडङ्डुडीर्ण्डवरभेखणं विडरूडे
निवू भट्टत्रिकभा ॥ २९ ॥ रडुराङ्गलिनरडेरभिरभागडेः
भरेभङ्गभेः कडेरङ्गरगङ्गदेनरवरेङ्गीलेनवाध्दभुरा ॥ निरे
इस्न्नरातरविद्युरगलस्वरभ्डङ्गभुपिरभभ्रकेभरभीकद
दगडडंभम्दस्तुडंग्मीविडभा ॥ ३० ॥ डडुङ्गवात्तिपवंरभ्दद

देदरङ्गीवभणंपदवि ॥ स्रुवडुपरङ्गलिनरग्धिलिङ्केवाभा तिरा
यान्तोसदान्ति ॥ ३० ॥ डढेमरीवंपरित्तेभपेमलेपडइरङ्गुल
घभड्डिलालरभा ॥ किंभोषधैः ङ्ङिस्भिस्रुडदडेनिराभयंवष्ठ
रभायवंपिव ॥ ३१ ॥ श्रीभतभ्रभङ्कस्मृनारापत्ताहेकेनरस्तुवाङ्ग
डेभापिवेपि ॥ दवःप्रवंवाङ्गडुरडभ्भिंभेनर [illegible] गङ्गुवभायि
स्तःपभा ॥ ३२ ॥ भसूडंडीरवस्तुङ्गभपिठवडेठङ्गिदीनरद
मङ्गेभाभ्देधंसस्हवकुडवसरिङभपा [illegible] नरलडभा ॥ भाभ्र

११

भ्र । ह्रं भाण्डवङ्ग भषिकुवरपडेमेडभाभक्ववानेभाकुवंबुडुयवङ्गडिक
रगदिडेलाकुमगमंतुरोपि ॥ ३२ ॥ भचनपरिवादश्रीडिंभमूवीवेभ
भ्र । नमिभडकुडभचगविद्धणश्रि ॥ दवनयनवधाताकमेभिभ्वर
११ मिनमकुपराकुलेभगवेः ॥ ३३ ॥ मगावराकावरभडडेकुलोयं
विमिश्रिः भूडवेमभुवभागालिहृदवनःप्रभाचः ॥ कश्रिभ्रटेला
गमविकलेडवकीदेवकीडभाडमिइवलापिभुभरुभुडुडेत्रस्मे
॥ ३४ ॥ लिफकीडुयकेमवेभरविंमेडेठलाश्रीणतंपालिभुवकु

भभवयमृडकथःमेइकुयवेभ्यर ॥ तद्धलेकयलेभरकुयदेनकु
डिपुयमलयंलिभुभूभाभडुडभामडुभोभुवनभाठेहलाभु ॥
३५ ॥ यहुकुरलिपडप्रलिणवलेक्षैमिरःभृकुठंडेनेइडभमे
श्रिडेभदमिरेयह्रंदविद्धमुडे ॥ भाड्रश्रिविपभैदमैकुविभल
यभाणवट्टविरीभालिकुभडवद्विलीधडिपचंयभोडिनाव
भाभ ॥ ३६ ॥ कडुजेधकुलाकुगाकहभालिभुलेहवकभलिन्नेपीले
यवमाडकभुवभालिःभोचदमकुभालिः ॥ श्रीकतुभालिदावि

[illegible]

सु
भु
१०

[illegible] ॥
[illegible]
॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

नमः [illegible] ॥ [illegible]
नः [illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
भ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

सु ।
सु ।
३

द्रगाडिंगड्ज्ञाम सुस्थैमठद्गुत्ववमेनमेनमः ॥५॥ डपश्चिर्दुठरप
रपमश्चिर्देमेनश्चिर्देमेत्रुविद्धः मम्हूलः ॥ हमेनविद्युत्रिविरपद
पं ३स्थैमठद्गुत्ववमेनमेनमः ॥६॥ किराडद्रुत्तानुपलिरपथक्के
मसुठीरकक्कपकरापमम्पः ॥ पेतुप्पपपदपसुपसुपः
सुकृत्त्रिडस्थैरठविष्णवेनमः ॥७॥ मपषसुदुद्वडमणीसुन्मु
वीसिपेणदमपसुपेमपः ॥ गडहनीकैरलमक्कागाधिठिचिउडु
लिङ्गेठगवन्दुमीयडमा ॥८॥ स्त्रिपः पडिदद्धपडिः स्वपडिवि

यं पडिङ्गेकपडि वनपडिः ॥ पडिनडिस्नुदुकठङ्गिमदुडं स्वमी
यडं मेठगवन्दुडं पडिः ॥९॥ पपदुत्वनमभगिरिडपि
पनुपसूत्रिदिडदुमद्धनः ॥ विद्धत्रिपेडक्कवपेपपसंमनेप
उडैठगवन्दुमीयडमा ॥१०॥ स्वपैदिडपेनपगमसुडीवि
डडुडरामूमडेंस्थैक्रिपि ॥ मुलदपनपदवक्कक्किलपडःम
मेदपीनमपठः स्वमीयडमा ॥११॥ कुडेदनक्किददनः प
नेविकु द्रिमपमीडेपदपुपपुदपः ॥ कुडेनुन डेनमपेनम

265

[illegible]

50

25. s'ukastuti

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA

Record No.	Organization / Individual 6906, 6907, 6908, 6909, 6910 6911, 6912, 6913, 6914, 6915, 6916
Name of the Institution Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar. Personal Collection	Communication Address Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Title of the Text 15 vijñānabhairava Other Title 16. vāgīs'avarī vidyā	Bundle No: 120 Acc. No./Manuscript No. 2146-XV -XXV
Author Rājanaka Ratnākar 16. (Vallabhadeva)	No. of Folios 140-265 folios Pages
Commentary yes	Size of Mss. 16.1 x 19.1 cms Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator Vallabhadeva	Missing portion No
Language Samskrit	Illustrations No Complete/Incomplete
Script s'ārda	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuc
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetica
Key words Stotra	Colour of Manuscripts Red, cre
Subject Stotra	Remarks

(15) DSO 00001 6906
(16) DSO 00001 6907
(17) DSO 00001 6908
(18) DSO 00001 6909
(19) DSO 00001 6910
(20) DSO 00001 6911
(21) DSO 00001 6912
(22) DSO 00001 6913
(23) DSO 00001 6914
(24) DSO 00001 6915
(25) DSO 00001 6916

17. Devīkavaca 18. Bhavānī Sahasranāma 19. S'ārikā stotra 20. Suryakavca
21. Adityahrdaya 22. Sūryagāthā 23. Viṣṇu Sahasranāma 24. mukundamālā

265 / 146 / 112

10.04.06